

www.vallabhacharyakrupa.org



॥ वसं ॥ अंग। बोलत पिक चात्रक मोर संग। उफ डंडु भी ओर
॥ १६३ ॥ संख भोरि विवगावत किं न्तरि टेरि टेरि। नांचत व्रज।
 गोपी फेरि फेरि। सुख वषत कुसुम निंदेरि हेरि। २। घ
 सिचो वाचंदन अंगर घोरि। केसरिक पूर रंग वसन
 वोरि। व्रज जुवतिन केचित चोरि चोरि कीने। ३। ह
 लसवरयो रिखोरि। ३। जै जै वांती वाजत। ४। कास। स
 व व्रज जन के मन भायो हुलास। तहां वड भागी हे सुर
 स। वह निमुखन छोड़े हरि को पास। ५। **राग वसंत**
 बेहो पद पंकज बिहलेश। श्री नृसिंभ कुल दीपक सुवैस
 जिन की महे माजें कहे उर। ६। तिन पस प्रगट किपो
 संसार। १। अनुसरन। २। च जै तजि विकार। तिनै भव।
 निधितरतन लगत वार। करिसार अरय भागवत को प्र
 सारन। कीये। ३। उन जे पाखंड आन। ४। बांधी मर जाहा
 सब वेद सोन। जन हीन उद्धरन मुखनिधान। तिहि
 वंस परम आनंद देन। पुरुषोत्तम सब मुख के एन। ३
वसंत। खेलत फाग हरि जुवतिन संग खेलत फा
 गुहरी। बालक हंकरत कोलाहल सुनत कान परी
 वाजत डफ मरंग वांसुरी किं नर सुर को मलरी। तिन

हिमिलें रासिक नंद नंदन मुरली अघर धरी। २। कुंमकुं
 मवारि अरग जा विविधिसुगंध मिलाय करी। पि
 च काई जु परस्पर छिरकत अति आनंद भरी। ३। का
 रुन ही संभार क्रीडारस सबतन सुधिविसरी। टरत
 हार चीर फाटत गिरिज हांत हांधर निधरी। ४। अति
 आनंद मगन नही जानत वीतत जग मघरी। ५। कुंमन
 दास प्रभु गोवरधन धरसवतन देनि बरी। ६। **वसंत**
 खेलत फागु चली लालन संग खेलत फागु चली।
 चोवाचंदन अंगर कुंमकुं मा छिरकत घोष गली।
 १। रितु वसंत आग मरितु न। २। क जोवन भार भरी। दे
 षन बली रासिक गिरधर को नंदन के दार धरी। ३। रा
 ती पीयरी चोली पेहेरे नौतन कुंमक सारी। मुख हित
 बोलने न काजर देत भावती गरी। ४। ताल पषाव ज
 बीन वांसुरी गावत गीत सुरा। नवल गुपालन ब
 ल व्रज वनिता निकसि चो हट आ। ५। हेरयो आयक
 खज्ज की लीला क्रीडत गोकुल मांही। कहत न वनें
 स परमानंद यह मुख अनत वनाही। ६। १। **वसंत**
 सहेज प्रीति गोपाले भावे। मुख देखे मुख होत सखी

॥ वसं० ॥

॥ १६४ ॥

प्रीतमनेन सोनेन मिलेवें ॥ सहज प्रीतिकमलें ॥
रभांने सहज प्रीतिकुसुदिन ॥ अरु चंदे ॥ सहज प्रीतिको
किला ॥ अरु वसंते सहज प्रीतिराधानें ॥ नंदे ॥ सहज
प्रीतिचात्रक ॥ ओर सांते सहज प्रीतिधरनीजलधारे
मनकमवचनरासपरमानंद ॥ सहज प्रीतिकुसुम ॥
वतारे ॥ ॥ १॥ ॥ वसंता ॥ रतनजटितपि ॥ कुंडल ॥
लीये भरतलालको भावें ॥ चोवाचंदन ॥ अरु कुंडल ॥
विविधचंद्रवरगावे ॥ कवहुंकक ॥ अरु बांधिनिमंक
कैलेन वलासीधावे ॥ मानोस ॥ अरु वंदमाप्रगठो वृज
मंडलतिमरनसावे ॥ ॥ ३॥ ॥ अवीरगुलालपरस्पर
रघोगगनलोधाई ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
विमोपेंवरनीनजाई ॥ ॥ १॥ ॥ वसंता ॥ फूलाडोल
तकोनभाई ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
रुक्मिणी ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
सजनी ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
सअंग ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
॥ ॥ वसंता ॥ खेलिफागु ॥ अनुराग ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
जनदेत ॥ असीस ॥ रसिकनकी ॥ रसरास ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर

१६४

वोकोरवरीस ॥ ॥ धिरि ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
जुरिदसवीस ॥ हरिदासके ॥ अरु अवीरगुलालपरस्पर
गोकुलके ईस ॥ ॥ १॥ ॥ अथधमारिकेपदा ॥ रागविला
वला ॥ श्रीलक्ष्मनकुलगाईये ॥ श्रीवल्लभसुवनसुजां
नालालमनमोहनां ॥ गुणनिधिगोपीनाथजी ॥ मन
न ॥ निर्गुनतेजनिधान ॥ लालमनमोहनां ॥ अरु योत
मअनंदमे ॥ मन ॥ श्रीविहलवृजकेभूपाल ॥ को
रिमदनविधुवारने ॥ मन ॥ मुखसोभा ॥ मुखरूप ॥ लाल
॥ भूतलादिजवपुधारिके ॥ मन ॥ अतिपथकीयेप्र
चंडालाल ॥ मारगपुष्टिकेसिके ॥ मन ॥ मायामत
कीयोखंडालाल ॥ ॥ श्रीगिरधरगुंनआगरे ॥ मन
पूरनपरमानंद ॥ लाल ॥ राजसिरोमनिलाडिले ॥ मन
करनामेगोविंद ॥ लाल ॥ ॥ श्रीबालकल्लसुषचंद्र
मा ॥ मन ॥ पंकजनेनविसाल ॥ लाल ॥ वृजवल्लभश्री
गोकुलनाथजी ॥ मन ॥ जगजीवनअभिराम ॥ लाल
पीयनवनीतदयाल ॥ लाल ॥ ॥ श्रीपतिश्रीरघुनाथ
जी ॥ मन ॥ जगजीवनअभिराम ॥ लाल ॥ रूपरासिज
दुनाथजी ॥ मन ॥ कमलापूरनकांम ॥ लाल ॥ ॥ नव

॥ ५॥ ॥ १६५ ॥ कि सोरधनस्यामजी ॥ मन ॥ चंग-चंगमुखराय ॥ लाल-
 बालकसवब्रह्मजानिके ॥ मन ॥ वेदविमलिजसुगाइ
 लालमन ॥ ॥ ॥ वृंदाविपुनसुहावनो ॥ मन ॥ ब्रजली
 लासुखसार ॥ लाल ॥ मानिकचंद्रप्रभूसर्वदा ॥ मन-
 श्रीगोकुलकरतविहार ॥ लाल ॥ ॥ ॥ रागविलावल
 कागुखेलनब्रजसुंदरी नंदरायग्रह-आंई ॥ नसोमति
 आदरदेतिहेरोहिनीलेतिवलाई ॥ ॥ ॥ रागविलावल
 वनेहसिहसिदेतवगारी ॥ डुरियेनहोरीखेलियेनंद
 कुंवरगिरधारी ॥ ॥ ॥ सुनिमृदुचनत्रियनकेंनिकसे
 हेमोहनलाला ॥ मानहुंकरककलसदिंग-आवतम
 धुपरसाला ॥ ॥ ॥ ताल-गडपंगचंगवीनाउफराजे
 डमुडमुडिमिडिमिजालरीविचविचमुरलीवाजे
 ॥ ॥ कनककलसकेसरिभरिसंगलीएसतगोरी
 चोवामुगमदघोरिकेचंदनवंदनरोरी ॥ ॥ ॥ अरगजा
 भरिपिचकांईफेदनिसुरंगगुलाल ॥ छिरकतभरत
 परस्परहोहोबोलतचाल ॥ ॥ ॥ मोहनगोपिनछिरक
 तकेसकेसरिनीरा ॥ इततेतकितकिइगनमेंभरत
 हेमुठी-अवीरा ॥ ॥ ॥ धिरि-आंईब्रजनारीनंदलालग

हिलीने ॥ एकअधरसपीवहिएक-आलिंगनदीने ॥ ॥
 प्यारीकाजरदेतहेललितागहेकरदोज ॥ चंद्रावलिमु
 खमांडतिहसतसरवीसवकोऊ ॥ ॥ ॥ हरकपोललगा
 वतउडवतलालपटोरी ॥ हसतदेहेकरतारीबोलतहोहो
 होरी ॥ ॥ ॥ इहिविधिपियसंगवेलत-आनंदउरस
 माईदेवतदेवयकितभयेपोहोपनिगुहिकराई ॥ ॥
 नोनचलेजमुंतासवसोभावनीनजाईराधागिर
 धरदेविकेंसरदासवलजाई ॥ ॥ ॥ रागविलावल
 ला ॥ घोषनपतिसुतगाईयेजीकेवासियेगांमवहो ॥
 रिसुहागिनिमाइयेजाकोश्रीराधातांम ॥ लालबलि
 रंमिकाहो ॥ ॥ ॥ चलीसकलब्रजसुंदरीहोनवमत
 साजिसिंगार ॥ ॥ ॥ वतिखेलतिजहांगईतेहांघोख
 रायरवारलाल ॥ ॥ ॥ जाहिनेनभरिदेरपहीसुंदर
 नंदकुंमारनीलपीतपरमंडिताउरगजमोतिनहा
 रलाल ॥ ॥ ॥ सवासंग-आनिरसभरेपेहोरिविविधि
 रंगवीर ॥ गीतविचित्रकोलालहला ॥ औरब्रजया
 मिनभीरालाल ॥ ॥ ॥ डुमुंमुडिमिडिमिजालरी
 रंजमुरजउफताल ॥ मदनभरिरायगिरिगिरिवि

धमा ॥ १६६ ॥ चविचवेनरसाल लाल ॥ १५ ॥ अतिरसभरीवजसुंदरी
 देतपरस्परगारि ॥ अंचलपटमुखदेहसीमोहनवदन
 निहारि लाल ॥ १६ ॥ येहेलोकमिकाताहीकोजाकोश्री
 मोहनपूत ॥ देखतहीपरमोहनीजुवतीजनमनधृत
 लाल ॥ १७ ॥ इसरोहमकाताहीकोजाकीश्रीराधा
 रि ॥ पीयप्पारीएकेभएमनमैचोसविचारि लाल ॥ १८ ॥
 जुवतीकरंदसिरोमनीश्रीराधासकुंभारि ॥ ३३ ॥ तब्रत
 मिसुगननायकावलजुनगिरवधारि लाल ॥ १९ ॥
 एकनिकरबंकालीएएकनिधुलालअवीर ॥ प्रमु
 हागनपरवरषहीककेहेतुअहीर लाल ॥ २० ॥ रतनष
 चितकरापिचकाईनकुंभकुंभजलघोरि ॥ पीयस
 नमुखधिरकरी ॥ लोकतकिनेनकिसोरि लाल ॥ २१ ॥
 म्यामसुभगतनसोहिएतनकेसरिकोविंडु ॥ ज्यो
 जलधर ॥ लमलेमानोउदितकैईड ॥ २२ ॥ जुवती
 जयमिलि ॥ आईयोगहिलीनेमोहनधाइ ॥ लेकेस
 रिमुषमांडियोछोरे ॥ अविअजाइ लाल ॥ २३ ॥ इहि
 विधिहोरीखेलिकेंग्यातबंधसंगलाइ ॥ पूरनससि
 निसडहडही ॥ अन्योहोरीलगाइ ॥ २४ ॥ परिवामकल

१६६

घोषजनभानसुताचलेनांन ॥ अरगजाअंगलगाइ
 कैविमलवसनपरिधान ॥ लाल ॥ २५ ॥ इतिपावंदनवां
 धियोसिंधासनजुवराज ॥ अत्रचवरगोविंदगहेश्रीव
 क्षभकुलसिरताज ॥ लाल ॥ २६ ॥ ३ ॥ रागविलावल ॥
 मोहनमुखभानकेंआएज ॥ तवअतिरसन्योतिबुलाए
 ज ॥ १ ॥ नांनाविधिभईहेरसोईज ॥ तहांजेवतअतिसुष
 होईज ॥ २ ॥ तहांमिलिजुवतीवउभागीज ॥ आवोदेइक
 लकोगारीज ॥ देवापसवेजगजानैज ॥ ३ ॥ करेआसपु
 रानवरखानेज ॥ ४ ॥ नैगारीकरकरिहीजेज ॥ ४ ॥ गुंनओ
 गुनसरसलहीजेज ॥ ५ ॥ सुदेवदेवकीजाएज ॥ सुत
 नंदमहेरिकेकहाएज ॥ ६ ॥ तेरीमायआनआनजाती
 ज ॥ तुंमहिलिमिलिवेरीपातीज ॥ ७ ॥ तेरीकृपापंचभ
 रधारीज ॥ ताकीजसुपावेनपारीज ॥ ८ ॥ पतिसाधुस
 वेजगजानैज ॥ सुतआनआनउरआनेज ॥ ९ ॥ तेरीइ
 पतिसुतासीभाभीज ॥ सोतोपांचपुरुषमिलिलाभी
 ज ॥ १० ॥ ताकीजगविंदितवडाईज ॥ सोऊभक्तिसिरो
 मनिगाईज ॥ ११ ॥ तेरीवहेनिसहोपावारीज ॥ सोतो
 अर्जनसंगमिधारीज ॥ १२ ॥ छांडेउरजोधनसेरोजाज

॥धमा॥ तेरेकुलदिनआवेलाजा॥१४॥ तुंमकरिकारिअपनो
 ॥१६॥ भायो॥ अपनोअसजगतसुनायो॥१५॥ तहांहसें
 हसावेगोरी॥ पटचोटहसीमुखमोरी॥१६॥ ललि
 तायरमंगलगायो॥ सुनिसूरस्यांमसचुपायो॥
 १७॥४॥ रागविलावल॥ नंदगामकोपांडेबुज॥ सो
 नेआयो॥ अतिउदारदृषभानजांनिसनमोनकरायो
 १॥ पांडेजूकेपायनकोहसिहसिसीसत॥ यो॥ पायधु
 वाइरुवाइप्रथमभोजनकरवायो॥ २॥ धाइआईबु
 जनारिजिनियहसो॥ धोपायो॥ भानभवनभईभीर
 कागकोखेलमचायो॥ ३॥ होरीकोहुरहारोपूरेपुन्य
 नपायो॥ सीसीसरसकुललखेसवअंगनरुलका
 यो॥ ४॥ हनमान॥ प्रतिमामांनोतेलवढायो॥ का
 जरसोमुषमांडो॥ वंदनविंदुवनायो॥ काचेकलमहे
 श्रवतमांनोचपराचिपकायो॥ गजगामिनिगोष्ठ
 निसोतुकमाईलपरायो॥ ६॥ देहधरेमांनोफागुन
 खेलनब्रजमेंआयो॥ करुचंदनकरुचंदनकरुचंदो
 बालपरायो॥ ७॥ रितुवसंतजानोकेसकोडुंमकुल
 नछायो॥ कारुगुलरीमालाकारुमलंगोपेहेरायो॥ १६७

॥मांनोगजघंटानवीचगजगाहवनायो॥ रंगरद्योजुचे
 होरियनअंगरातोकेआयो॥ ८॥ गुंजाकोगहेनोमांनो
 प्रोहितपेहेरायो॥ मांयेतेमोहनीछाछिकोमाटररा
 यो॥ ९॥ मांनोकाचेइधस्यांमगिरिवरहिन्वायो॥ वो
 रभोरभईवोरलागतजलहररायो॥ ११॥ महादेवकीज
 टाचुरिचरनोदिकआयो॥ लगतदंततेदंतडिगाडिगा
 अंगलगायो॥ १२॥ मानहुंसुघरसेगीत॥ कोरकठताल
 वजायो॥ लीयोलुगंईनघेरिनरेनामोकेकेआयो॥
 १३॥ गयोजनोऊटटिछटिपायनेलपरायो॥ मानहुं
 चोदनीचकराहुपगंफंदो॥ यो॥ १४॥ श्रीराधाराधाकु
 रिअपनोबोलसुनायो॥ श्रीभानकीकुंवुरिसरनिह
 तेरीआयो॥ १५॥ सुमिकेप्रेमवचनजुगरोराधाकोभरि
 आयो॥ धावाजूकोगदलललीप्रोहितपेहेरायो॥ १६॥
 कीरतिजूपायलागिलागितातोपयप्यायो॥ तोलोखे
 लतहोरीब्रजयतिइरुआयो॥ १७॥ मांचेस्वांगनसाजे
 सवेसमूरसुहायो॥ तपाव्यासकोप्रतधूतशुकदेवव
 नायो॥ १८॥ सनकादिकयास्योरिसज्योंसंन्यासमुहा
 यो॥ धूमतआयोइइस्वांगउनमतनचायो॥ १९॥ १२

॥धमा॥ ब्रजकीबीथानिबीथकीचमेंलोरलुटायो॥चारिवदन
॥१६८॥ कोस्वांगचतुरचतुराननलायो॥२५॥पंचांमृतपांचो
 सुषसोंसंगीतवजायो॥हरिकोकेवावरो सोनारदनां
 चतःत्रायो॥२१॥देविनंदकेलालजंत्रधरिगालवजा
 यो॥महादेवपरतारदेतपहपटप्रभभायो॥२२॥होहो
 होहोकेरहीहरिहांसीनहसायो॥मायापुनभईसोना
 रदहलहुलरायो॥२३॥कामकांमिनीभयोसवनको
 चितचुरायो॥ललिताजोरीगंगिलालकोव्याहरचा
 यो॥२४॥गठिजोरोब्रवभांनकुंवरिसोजायजुराये
 नवलत्रांवकेमोरकोमोरोमोरवनायो॥२५॥पीतपि
 छोरीतांनिछविलोमंडफछायो॥होरीकीअग्यारीक
 रिद्रूपरनायो॥२६॥फागुनकीगारीनकोसारवा
 चारपटायो॥होरीकोपकवांनसुभरिभरिहोरीखा
 यो॥२७॥फूलफागकीफूलफज्योजिनियहजसुगायो
 जनहरियाधनस्यांमवासवरसांनेपायो॥२८॥**॥राग**
आसावरी॥ धनिधनिनंदजसोमनीहोधन्यश्रीगोकुल
 गंगाम॥धन्यकुंवरहोऊलाडिलेंवलिमोहनजाकोनाम
 छबीलेहोहललना॥१॥श्रीगिरवरधारीलालछबीले १६८

होललना॥श्रीवल्लभराजकुंमारछविलेहोललना॥श्रीहं
 दवनकेचंद्रछवि॥२॥सत्त्वानांमलेवोलियोहोसुवलतोक
 श्रीहंम॥श्रवनसुंनतउविधार्इयोहोबोलतसुंदरस्यांम
 छवि॥३॥भेरवविचित्रवनाईयोहोभूषनवसनसिंगा
 र॥निजमंदिरतेंसजिचलेहोवालकवलिवनवासछ
 ४॥गिरवरधरअतिरसभरेहोमुरलीमधुरवजाइश्रव
 नसुंनतसवसुंदरीहोजहांतहांतेचलीधाइछ॥५॥कुंज
 मुरजउफवाजहीहोवाजेवहुविधिमाजि॥विचविचमे
 रिनुवाजहीहोरहोघोरसवराजि॥छ॥६॥पिचकाई
 करकनककीहोअरगजाकुंमकुंमघोरि॥पानपिपाके
 छिरकहीहोतकितकिनवलाकेसोरि॥छ॥७॥एकओ
 रजुवतीभईहोएकओरवलवीर॥कमलनमारमचाई
 योहोरूपेसुभदनधीर॥छ॥८॥उलटिआयगदेभए
 होअपनेअपनेदोल॥कुंमकचेनवगावहीहोविचवि
 चमीदेवोल॥छ॥९॥हसतहसतसवआईयोहोलीनो
 सुवलबुलाया॥हाहाकारुभांतिसोंनेकमोहनकोपक
 राय॥छ॥१०॥वहुरिसिमिटिसवआईयोहोमोहनली
 नेघेरि॥नेननिकाजरआजिकेंहोहसतवदनतनहोरि

॥ धमा० छ० ११ ॥ इहिविधिहोरी खेलहीहों सकलघोरवसंगला
 ॥ १६ ॥ ॥ गिरवरधरकेरूपपेहोगोविंदवलिवलिजाइ ॥ १२
 ॥ रागआसावरी ॥ यहमनमोहनकीयारिगोरीगून
 ॥ ॥ सबव्रजकेरोंकतरहेंयातेनिकसेधूँघटमारि ॥ १३
 ॥ ठेऊकोऊकहेंउठिआमदनमुरारि ॥ रहिनसकेंइत
 ॥ उततकेंमुरिदेखेवदनउघाति ॥ १४ ॥ तनमुखकीमारील
 ॥ सेहोकंचनसोतनपाइ ॥ मांनोंदोमिनिकीदेहसोंहोर
 ॥ हीजोरूलपटाइ ॥ १५ ॥ धरतपगनवागोफिरेहोदरेभरै
 ॥ तुजाइ ॥ काचकरोतीजलरग्येकछूयरीजुगतिवहेरा
 ॥ १६ ॥ काचकरोतीजल ॥ १७ ॥ रुनितेवमधिपातरोहो
 ॥ ओप्योसोमुरवइंड ॥ १८ ॥ नअधरमुसिकातसेंदीये
 ॥ भालसेंडरकोविंड ॥ १९ ॥ लाललखेलालीचदेउतसास
 ॥ आसपीयपायो ॥ मांनोंसंजोगनिबिहनीहोअरुकी
 ॥ बीचमुहायो ॥ २० ॥ ज्योंज्योनरनारीसबेहोहिलिमिलि
 ॥ करतचवाव ॥ सिरोंमनिप्रभूरोऊसुनेंतातेभयोचोगु
 ॥ नोचाव ॥ २१ ॥ रागधनाश्री ॥ खेलतवलिमनमोहनां
 ॥ रितुवसंतमुखहोरीहो ॥ सयामंडलीसंगलीएवलियां
 ॥ मरुसकीजोरीहो ॥ २२ ॥ मेरिमृदंगडफालरीवाजत

१६९

करकटतालाहो ॥ सबतनमदनप्रगटभयोनांचतग्यालि
 निग्यालाहो ॥ २३ ॥ व्रजजनसवरकतभएघोरखरायरवारा
 हो ॥ इतवनीनवलकुंमारिकाउतवनेनवलकुंमाराहो ॥ २४ ॥
 जुवतीजुषचंडावलीअपनेजुषश्रीराधाहो ॥ २५ ॥ मकचेत
 वगावहीवाद्योहेरंगअगाधाहो ॥ २६ ॥ बलिमोहनएकतेभए
 सुवलतोकेककोराहो ॥ २७ ॥ इरिसयेलमचड्योवाद्यो
 हेमनसिजमोराहो ॥ २८ ॥ चमकिचलीचंडावलिमुक्ततो
 कपरधाईहो ॥ २९ ॥ उताहेकोपिप्यारीराधिकावलिरामकृष्ण
 परआईहो ॥ ३० ॥ कमलनमारुचाईयोजुरेडहनकेदोला
 हो ॥ मधुमंगलयकरिकहोरियोवांधिगुदातेदोलाहो ॥ ३१ ॥
 वहोतहसेंबलिमोहनहीहसेसकलव्रजवासीहो ॥ ३२ ॥ छोरैरु
 छूदेनहीपरिगईगारीफासीहो ॥ ३३ ॥ हसतहसतसवआइ
 योगावतिगारीमुहाईहो ॥ ३४ ॥ सेनावेनीकरिसबेंबलिमोह
 नपकरेधाईहो ॥ ३५ ॥ बलिजूकीआंविजुआंजियोपीयकी
 मुरलीछानीहो ॥ मनभायोफगुवारीयोपाखेंजायजुरी
 नीहो ॥ ३६ ॥ इहिविधिहोरीखेलहीव्रजवासीनसवमुख
 पायोहो ॥ ३७ ॥ व्रजभक्तनमनआनंदभयोगोविंदमहेजमु
 गायोहो ॥ ३८ ॥ रागधनाश्री ॥ रंगलेरीछविलेने

नारसभरेनांचतमुदितअनेरेस्वंजरीरमानोमहामत
 रोककेसेऊधिरतनघेरे॥स्यामसेतरातेरंगरंजितमां
 नोंचित्रचितेरेकुंभनरासप्रभुगोवर्द्धनधरस्यामसुभ
 गतनहेरे॥१॥**रागधनाश्री**॥यागोकुलकेचोहरेरंग
 राचीग्यालि॥मोहनखेलेंफागुनेनसलोनेरांगराची
 ग्यालि॥नरनारीआनंदभयो॥रंगराचीग्यालि॥सांवल
 केअनुराग॥नेनसलोनेरांगराचीग्यालि॥१॥उंड
 भीवाजेगहगहे॥रंग॥नगरकुचोहलहोय॥नेन॥उ
 मघोमानसघोषको॥रंग॥भवनरघोनहिकोइ॥ने
 न॥२॥उफवांसुरीसुहावनी॥रंग॥तालमदंगउपंग॥नेन
 जांकिजालरीकिं॥रंग॥आवजकरमुखचंग॥नेन
 ३॥उतहिसमाजगोपालके॥रंग॥वलजुतनंदकुंमार
 नेन॥उतगोपीनवजोवना॥रंग॥अंभुजलोचनचारु॥ने
 न॥४॥गोपीदेतमुहावनी॥रंग॥प्रमुदितगोपकदंबने
 न॥जुवतीजूयएकतभए॥रंग॥गावतमदनविरंब॥नेन
 ५॥रतनजदितपिचकाईया॥रंग॥करलीयेगोकुलना
 थ॥नेन॥तकिछिरकतताइंदको॥रंग॥जेराधाकेसा
 थनेन॥६॥केसकुसुमनिचोइके॥रंग॥भरतपरस्पर

आन॥नेन॥मगमदचोवाकुंमकुंमा॥रंग॥चारुचतुः
 सममानि॥नेन॥७॥सुरंगगुलालउडावही॥रंग॥बुंका
 वेदनधूलि॥नेन॥चट्टिदिमानसवदेवही॥रंग॥देहेदि
 सागईभूलि॥नेन॥८॥खेलमज्योअतिगहगह्यो॥ने
 न॥चितवनव्रजवधूधाइ॥नेन॥राधारसिकसिरो
 मनि॥रंग॥आसकरनवसिजाइ॥नेन॥९॥**रागधनाश्री**
 होरीकेरंगीलेलालगिरधरंगमचायो॥केसरिसुरंग
 गुलालअरगजामदनवसंतभजाये॥तालमदंग॥
 जांकिउफमरुवरिचीनाहोरीगगजमायो॥मुनिनिक
 सीग्रहग्रहनेंसुंदरिदावभधफलपायो॥२॥आवत
 गारिनुगावतरसभलिलालखिलायो॥श्रीविहलगि
 रिधरजुवतिनहो॥त्योहारमनायो॥३॥**रागकाफ**
 तुंमचलोसयेमेलिजांइखेलनहोरीयां॥अपनीअप
 नीसुरंगचूंनरीमोतिनमांगभरोरियां॥थरहरात
 अधरनपरमोतीअगियांकेसस्वोरियां॥चोवाचंद
 नअगरकुंमकुंमाभरिभरिरेतकमोरियां॥२॥अंगमु
 अंगगुलालविराजतभलीवनीयहजोरियां॥केहरि
 लंकनितंवविराजतगजगतिचालचलोरियां॥३॥

॥ धमा ॥

॥ १७१ ॥

पिचकाई मोहन परगौरत विहसी घुंघर मोरियो वाजत
ताल मरंग और उफ पादि पादि बोले तबो लियो ॥ धने न
आजि मुय मोडि स्याम को सब मिलि करत कलोलियो
सरदा सप्रभ सव मुख विलसत की डत प्रज की खोरि
यां ॥ १॥ राग कापी मिलि खेले का गुन मेव सुख वाला
से गखरे सरंग भरे नवरंग बभंगी लाला ॥ २॥ जीतवा
सुरी चंग उपंग यखावज आवज ताला ॥ ३॥ जीवत गारी दे
रे प्रजनारी मनोहर गीतर साला ॥ ४॥ केचन बेलि करे
जानो केलि परे विच स्याम ताला ॥ ५॥ धाइ धरे हसि चंक
भरे छरे के सरदी उर माला ॥ ६॥ सी चत चंग निरंग भरे
चाटो प्रेम प्रवाह रसाला ॥ ७॥ मेन सेन पुरे तु उडी नभ
छा यो चवीर गुलाला ॥ ८॥ देवि पिका भवरी सवरी मृगी
मोरी चकोरी लजाला ॥ ९॥ राधिका कृष्ण विलास सरोज
गदा धर सने मराला ॥ १०॥ राग कापी ॥ एरी सयी निकसे
मोहन लाल खेलन प्रज मे कागुरी ॥ रंग हो हो हो हो हो
रियो ॥ एरी सखी घुंम डो चवीर गुलाल मनो उनयो
अनुरागुरी ॥ रंग ॥ ११॥ सोभित मदन गुपाल करि बांधे
पर मोहनो ॥ काछिनी काछे लाल लाल निचोई रंगी मनो

१७१

२॥ मोर मुकर है छवि देत वंक डग निहसि घेरनो ॥ सव
ही को मन हरि लेत एन मेन मोनो पेखनो ॥ ३॥ पर आव
ज मुखी नचना घात गति वाजही ॥ ताल मरंग उप
गरुंज मुख जड फवाजही ॥ रंग ॥ ४॥ धिरि औरि प्रजना
रि मगने नी गजगां मिनी ॥ रोके हेसां बरे लाख धुंधे
स्यो मानो दामिनी ॥ रंग ॥ ५॥ छिरकत पी मन दम पीत
पर और वचावही ॥ मोनो घन पूरन चंदुर हरि निकसी
कुनि आवही ॥ रंग ॥ ६॥ वने श्री यन के अंग छिर किछो
दछ विखेल को ॥ मोनो फली रंग रंग ललित लता मोनो
प्रेम की ॥ रंग ॥ ७॥ वटो पर सरंग उमगि उमगि रंग भ
रनि मे ॥ निरवि भई गति गपी तां वर फर हर नि मे ॥ रंग ॥ ८॥
जव गहिरंग निभरे मोहन मूरति सांवरो ॥ हर हर हर हसि
परे मुनि मन के गवावरो ॥ रंग ॥ ९॥ भई सुर सुती मनि
चोर और खेल कहां लौं कहो ॥ रस भरे सांवरो गोर नंद हाम
के हीयर हो ॥ १०॥ राग कापी ॥ तुम आओरी तुम आओ
मोहन जू को गरी मुना ॥ होरी सरंग वटावो ॥ हरिकारो
री हरिकारो ॥ यह देवापन विचवारो ॥ हरिन दवारी हरिन
लोवा राधाजू के आगे लहुवा ॥ ११॥ हरि मधु कररी हरि म

धुकर रसचारवतडोलतघरघर॥ हरिनागरी हरिनाग
 रपाकोवावानंदउजागरा॥ हरिरंजनरी हरिरंजनरा॥
 धाजकेमनकोरंजन॥ हरिरंजनरी हरिरंजनललि
 तालेंआईरंजन॥ ३॥ हमजानेरी हमजानेराधागहि
 मोहनआने॥ मुषमांडोरी मुषमांडो हरिदा॥ ४॥ खाइ
 तबछांडो॥ ५॥ हमभरिहोरी हमभरिहेंकरतनेकुनड
 रिहें॥ हरिहोरीहो हरिहोरी॥ स्वांभाजकेभरिघोरी॥ ६॥
 हरिभावेरी हरिभावेराधामनसदेवदावे॥ रंगभीनो
 रीरंगभीनोराधामोहनवसकीनो॥ ७॥ हरिप्यारोहरि
 प्यारोराधाजकेनेननिकीतारो॥ हमलेहेरी हमलेदे
 फगुवालेगरीनदे॥ ८॥ यहजमुपरमानंदगावे कछ
 रहेसिवधाईपावे॥ ९॥ काकी॥ माईरीवरसांनेतेनंद
 गंगमप्रोरितसुषभानकोआयो॥ नंदगंगमकोवैभव
 अरुतसिरीषिपरममुखपायो॥ १०॥ पायधुवायकेजल
 अक्वायोजुरिआईरंजनारी॥ पायलागनकहिकहि
 कूलिकूलिगावतहोरीकीगारी॥ ११॥ एकनिचोवाआ
 निपांनिवांभनकेमुषलपदायो॥ एककपोलमरोर
 तिमांडतिकरतआपनोभायो॥ १२॥ एकघरवसीघो

अरगजामायेतेगहिनायो॥ एकजुफेटपकरिकेभकगोर
 तइकिलोकरिकेपायो॥ १३॥ एकचोहोटियालेतचोरिचि
 तएकजुनारीवजावे॥ एकजुपकरिपोतियाऊटकतिह
 सिहसिवाखचदावे॥ १४॥ एकअचानकगहिपाछेंतेआखि
 नमेंईगुलाल॥ मीउतइगयोकहेतलुगाईनमोकोप
 सोचाल॥ १५॥ एकनिवासीषारीछाछिलेंमायेतेगहि
 नाई॥ यहउतएकउतेवेअगनितवाभनकीनवस्याई
 १६॥ डिगडिगातमारेजाडेकोचितवतमोहेतांनि॥ हाहा
 होहास्योतुंमजीतीछांउिदेउतिजेमांनि॥ १७॥ एककहेया
 हिपकरिपटाकिपाकेअननमेंसुषरीजे॥ एककहे
 हाहानीकेहेघरीएकहिसिलीजे॥ १८॥ हसतपरस्परसव
 व्रजनारीतोसवजिलियहेविचारी॥ ईतनीसुंनतअथा
 ईतेउगिआएकजविहारी॥ १९॥ जोदेखेतोवांभनकोए
 घेरिरहीव्रजवाला॥ मुखपटुकारेनिरषिनिरषिमुसि
 कांनेनंदकेलाला॥ २०॥ भलीमानसिहोभलोआरकी
 योभलोभोजनकरवायो॥ सुंनहुंकुंवरजसवरीलुगाई
 नुनांनाभांतिनचायो॥ २१॥ एकनिगुलगुलाइगुलचा
 योएकनिकहोनीदीनी॥ जानतहोअपनेमनमेंजेसी

॥धमा०॥ पोहो नाईकीनी ॥३॥ किचकिचाइमेरोलियेचहुटियापी
 ॥१७३॥ ठिकेगईराती ॥इननरवजीनतेंहोउरपतुहोंधुकुरुपुकुरु
 करेछाती ॥१४॥ जबललितागहिगदगदकायो ॥स्याम ॥
 स्यामकरिदेसो ॥पांडेजूकीललितपीठिपरुलालकमल
 करफेसो ॥१५॥ एकनिमोकोनेनसेनरेनेननिचनकी
 नो ॥एकनिमनहरिलीयोचिते ॥आधिनमेकादीनो
 ॥१६॥ कहोस्यामअजहंवकसोहमतुसारीवहुतसुष
 पेहे ॥जोमोगोसोमनमान्योफगुवोतुंमकोहमदेहो
 ॥१७॥ हांजुतुंमतोवडेउदारहोतुंमसेतुंमहीहोना ॥जा
 नुजानुजीयमेजगजीव ॥धीरहरनसुधिआनी ॥१८॥
 जोसासुरेकीदयाकीजियेतोहाहाखायबुडाबो ॥तोह
 मछांडेपांडेजूको ॥पांडेनांचेतुंमगावो ॥१९॥ काहेनपा
 डेगुंनप्रगरोहोरसेनदईप्रगमोरी ॥मगनभयोतब
 नांचन ॥गयोचोलतहोहोहोरी ॥२०॥ बांधितरोरावे
 टफुलामोटेदीपागवनाई ॥अतिखिलवारवभनेटा
 नरोतमअरुतरवेलमचाई ॥२१॥ जानिवृजिअनवो
 लीकेंकेंडरिदेखतनेदरांनो ॥निरखिनिराखनेननि
 कोतहलमनहीमनसुसिकांनो ॥२२॥ इन्द्रादिकब्रह्मा

दिकजाकोदेखतरहेहंलुभ्याई ॥हमनभरोब्रजवांभ
 नहरब्रह्मामनपछिताई ॥२३॥ भईविमाननभीरपुर
 पुरसुरगनपोहोपनवरखावो ॥निरखिनिराखिव्रज
 कोतहलसुरबनितामंगलगवो ॥२४॥ धनिवांभनध
 निधनिनंदकुलधनिधनिब्रजकीनारी ॥धन्य
 ब्रजकेब्रजवासीस्यामधन्यवलिवारी ॥२५॥ गीमलार
 होकेंसेपनघटजांडरीमेरीगेहनछांडेसोवरो ॥होला
 जनउरपतिरहोमोइनधरेकोउनांडरी ॥२६॥ जितदेखो
 तितदेखेरीरसियानंदकुंमा ॥इनवातनकेंसेंजीयो
 मोइपलकनकरतनुहार ॥२७॥ जमुंनाजलगागरि
 भरोरीजवसिरधरो ॥२८॥ ज्योअचराकंचुकीतेउडेमे
 रोहीयराताकिलनचाइरी ॥२९॥ लकुटीलेंआगेचलेरी
 पंधसवारतजाय ॥मोइनिहोरेलायकेंफिरिचितबै
 मडुमुसिकायरी ॥३०॥ गागरिमारेकांकरीरीएडीछुवा
 वेलात ॥पनघटमेंगहोरहेरी ॥मोइटोकनआवतजातरी
 ॥३१॥ केहुमिसहाहाकरेरीलंगरमोहिनिहारि ॥३२॥ ओदन
 केमिसओदनीपीतांवरमोपेवारिरी ॥३३॥ मोतनलगुला
 गेभहेरीवाकोमनललचाइ ॥तवहविमेरीछांडेसोवरे

॥धमा०

॥१७४॥

छां हेवलतकुवाइरी॥७॥भवलगकछसकुचतरद्योरी
प्रगटकरतअनुराग॥अवकहिकेंसेछूटियेसिरपरअ
योफागुरी॥८॥घरघरब्रजचाचरिमचीरीविवसभये
नरनारि॥मंत्रफागुइतीरीयोहोउउमगिमिलेनरन
रि॥९॥जवलगमनामिलयोनहीरीनचोचोपुकोनां
वासिरोमनिप्रभुहिलिमिलिरहेहोऊकरुमनोर
थसांच॥१०॥राग सारंग॥प्यारीतैलालनकोमनह
स्योतोविनुरद्योनजाइरीप्यारी॥११॥जमहेलवेतैपीया
नवपल्लवतलपसवारिरीप्यारी॥१२॥तुवपथवेठिनिहा
रहीनवकुंजकुटीकेदाररीप्यारी॥१३॥लोचनभरिभरिले
तहेंसुंदरब्रजराजकुंजारीप्यारी॥१४॥अपनेकरनष
गंथहीविविधिकुसुमकीचोलीरीप्यारी॥तेरेउरपेहे
रायहेंवलिहवोगउठिवोलिरीप्यारी॥१५॥कवरुंकने
ननिमंरिकेकरतनूवदनध्यानरीप्यारी॥तुवपुलकि
तनुजनेदहीकरतमुकीधरपांनरीप्यारी॥१६॥चंददेवि
आनंदहीतूवमुखकीअनुहासीप्यारी॥यहछविवा
ईनपूजईनिरखिकलंकविचारिरीप्यारी॥१७॥चंददेवि
आनंदहीतूवमुखकीअनुहासापहछविवाइनपूई॥ज

जरिपसकलदृजसुंदरीकहुंवनमनअरुजायरीप्यारी
चात्रकजलधरबूंदन्योभुवजलत्रषानजाइरीप्यारी
६॥पीयकोप्रेमसषीमुखसुन्योतवहीचलीउठिवाइरी
प्यारी॥७॥गोविंदप्रभूपीयसोमिलेरहेसिकंतलपटाइ
रीप्यारी॥८॥राग सारंग॥स्योमरंगीलीचुनरीरंगरं
गीहेरंगीलेबिहारीहो॥अतिसुरंगपचरंगेवतीपेहेर
श्रीगधाप्यारीहो॥९॥चंपकतनकंचुकीपुलीस्योमसु
हेससुदाराहो॥भांडनपीयपटपीतकीताऊपरमोती
नहाराहो॥१०॥प्यारीकेसीसकलसोहईओरमो
तीनमांगसवारीहो॥विविधिकुसुमवेंनीगुहीओरचं
पकवकुलनिवारीहो॥११॥प्यारीकेश्रवननरुलमुली
रुलमुलेओरसरकोरैकेसहो॥घुटिलाघुभीजरायकी
ओरमगमदआडसुदेसहो॥१२॥नकवेसारिअतिजगम
गेहरिकरतरविजोतीहो॥कंसिरीअरुमुनिसरीता
बीचजंगलीपोतीहो॥१३॥चोकीहेमनरायकीरतनषचि
तनिरमोलाहो॥नौग्रहीकरपोहोचियाओरखख
राअतिगोलाहो॥१४॥कटिकिंकिनीरुनुकुंनुवजेंओर
पगनपुरुनकाराहो॥चलतहंसगतिमोहियोसोभा

॥धमा॥

॥१७५॥

कहेत अणाराहो ॥ ७ ॥ इहिविधिवनीवृजसुंदरीचलोरासि
कपीयपासाहो ॥ कुंजमहेलमोहनमिलेंपूजीमनअ
भिलाषाहो ॥ ८ ॥ ब्रजवृंदावनभूषनाओरपीयप्यारीकी
जोरीहो ॥ गोविंदवलिवलिजाईनवलकिसोरकिसोरी
हो ॥ ९ ॥ **सारेग** ॥ माधोचाचरिखेलहीओरखेलतरी
वेजमुंनकेतीरा ॥ वीचवीचगोपीवनीविचविचरीवेव
नेहेमुगार ॥ मरकतमणिकंचनमणिमालाहोजानो
गुहीसवार ॥ १० ॥ कुंमकुंमवरनीगोपिकाकेसोरीघ
नस्यांमसरी ॥ नीलपीतपदमुंडेतानोचतरीबेप्रेम
गंभीरा ॥ ११ ॥ करतंतालवजुवहीगावहिरीवेगीतरसा
ल ॥ मदनमहोदेमनतलीलासागरगिरधरलाल
२ ॥ किकिनीनपुरुषाजहीसदरीकोलाहलकेलि
कुंणितवेनमाधनायकालटकतलालभुजागरेमे
लि ॥ ३ ॥ एकजुपांनषवावहीएकजुमांगेंदेउउगार ॥
एकजुमुषचुवनकरेंएकजुवीनतहदेहार ॥ ४ ॥ चंदभू
लिकोतिकरओनरनारीवेमोहेनादथाकपोरथकें
सेंचलेंब्रजवतिनहोवहेलायोवार ॥ ५ ॥ चदिविमानस
वदेवतावरषनरीवेलागेफूल ॥ जेजेजेजुनंदनारास ॥ १७५

रओरतिनायकभूल ॥ ७ ॥ जोप्रसादउनकोभयोहरिप
रंभनवांहयसारिपरमानंदप्रभूश्रीपतीपुंन्यपुंज
कृतगोकुलनारि ॥ ८ ॥ **सारेग** ॥ सुरंगीहोरीखेलेसां
वरोश्रीवृंदावनमोरुसुरंगी ॥ ब्रजकीनवलजुनागरी
घिरिआईसबसांन ॥ सुरंगीहोरीखेलेसांवरो ॥ ९ ॥ स
वसंतमुहावनोरितुआईसुखदेन ॥ सुरंगी ॥ मानेमधु
पामधुपिनीकोकिलकलकुलवेन ॥ सुरंगी ॥ फलक
मलकलिंदजाकेसूकुसुमसुरंग ॥ सुरंगी ॥ चंचकवकुल
गुलावकीसांधेसिंधुतरंग ॥ सुरंगी ॥ सुवलसुवाहुश्री
हामाकोपठएसखासिसुखासु ॥ वाजेसाजेनवरंगी
लानेंमोलमहाय ॥ सुरंगी ॥ ब्रजसुरजउफवांसुरीभोरिन
कोभरपूर ॥ सुरंगी ॥ फुंकनाफुंकिफेरिकेंऊंचेगईश्रुति
हरि ॥ सुरंगी ॥ ब्रजकोप्रेमकहाकहोकेसरिसोंघरपूरि
सुरंगी ॥ कंचनकीपिचकांईयांमारतहेतकिइरि ॥ सुरंगी ॥
आंधीअधिकअवीरकीचोवाकीमचीकीच ॥ सुरंगी ॥ ब्र
जकीनवलजुनागरीधिंसुंदरसरउदार ॥ सुरंगी ॥ बेल
नआईसवेघिरिश्रीजसोहाकेदरवार ॥ सुरंगी ॥ फूल
उंडागहिहाथसोमारतहाथउठाइ ॥ सुरंगी ॥ अंचलचंच

॥धमा॥

॥१७६॥

लफरहरेपेनेनेनचलाइ। सु॥ श्रीराधाकीप्रीयसरवील
लितालोचमुभाइ। सु॥ ॥१७॥ छलकरिछेलहिछिरकि
केंहसिभाजीडहकाइ। सु॥ ॥१८॥ नारीकोभेखवनायकें
पठयोसिखासिखाइ। सु॥ ॥१९॥ अतिहीअधिककहावती
ललिताभेटीजाय। सु॥ ॥२०॥ गेडुककांनीफूलकीरी
नीश्रीराधाहाय। सुरं॥ ॥२१॥ आयअचानकअचैकातकि
मारेब्रजनाथ। सु॥ ॥२२॥ ब्रजकीवीथनिसंकरिउतज
मुनाकोघाट। सु॥ ॥२३॥ बलदाऊकोंबोलिकेंदीनेगाढेक
पाट। सु॥ ॥२४॥ हलधरहोजुमहधेलीसांचेतुंमवलरा
सा। सु॥ ॥२५॥ बलकोवलजुकहपयोगहिवांधेभुजपास
सु॥ ॥२६॥ नैननअंजनजीजिकेंसोंधोऊपरहारिसु
पायपरिहारपदेरसकीरासविचारि। सु॥ ॥२७॥
फिरिभाजीसुखदेदगाआवनहीनेनअन। सु॥ ॥२८॥ मदन
गुपालबुलायकेंगहिलोंईवरजोर। सु॥ ॥२९॥ गिरिधा
र्योकरसोंमसोंखरमास्योगहिपाइ। सु॥ ॥३०॥ तनकोभा
रकहाभयो ललितालेतउगाइ। सु॥ ॥३१॥ घरमेंघेरिस
वैचलीश्रीराधाकोसंगलेत। सु॥ ॥३२॥ दोऊजनखेचिमि
लायकेंनैननिकोंसुखदेत। सु॥ ॥३३॥ तवललिताहसि

॥१७६॥

योंकद्योश्रीराधाकोंसिरनाय। सु॥ ॥३४॥ नीलांबरसोंहोंकि
केंमुखमुद्योमुसिकाइ। सु॥ ॥३५॥ उतश्रीहंमाअच
गरोउतललिताअनिलोल। सु॥ ॥३६॥ बीचविमायासाधि
हेंमुखलीमांगतअनोल। सु॥ ॥३७॥ ब्रजवासीब्रजभांतकोम
दनसयावाकोनाम। सु॥ ॥३८॥ स्याममतेकोमिलनिषावस
कीनोसवगांम। सु॥ ॥३९॥ पठयोमदनवसीठईसीठमहाम
दलोल। सु॥ ॥४०॥ छिनुओरोछिनुओसोंछाकोछेलडुछोल
सुरंगी। सु॥ ॥४१॥ मदनमदनगुपालकोहलधरकोलेआ
उ। सु॥ ॥४२॥ श्रीराधाकीहिसजायकेधायोहेहसिपाउ
सु॥ ॥४३॥ श्रीरामाहसियोंकद्योमेवादेउमगाय। सु॥ ॥४४॥
नैकहमारेस्यामकोअननकोमधुपाय। सु॥ ॥४५॥ भा
गसुहागसवेवरेखेलतफायुविनोद। सु॥ ॥४६॥ राधामा
धोवेठारेब्रजरांनीकीगोर। सुरं॥ ॥४७॥ भयनदेतजसो
मतीपोहोचीपांनपछेलि। सु॥ ॥४८॥ टीकाटीकटीकाव
लीहीराहोरहमेल। सु॥ ॥४९॥ श्रीविहलपदपरमकीपा
वनरैनुप्रतापसु॥ ॥५०॥ छीतस्यामिगिरधरामिलेमेदेतन
केताप। सु॥ ॥५१॥ सारंग। स्यामछवीलेमनुहस्योश्री
वृंदावनकेचंदललना। मोहनमेरेदारकेंऊऊकिचलेज

॥ धमा ॥ वभोर ॥ लल ॥ ललक तश्रा मुपदेषिये चितें ली योचित
 ॥ १७१ ॥ बोरिलल ॥ १ ॥ मतपषौ वामोर के श्रोर गुं जा के पुं जल
 वें नव जायो हे सखी नागर नवल कि सोर ॥ लल ॥ २ ॥ हीय
 रें परी जु तलावेली सुं निमुरली की घोर लल ॥ चलि स
 षी देष न जाई ये जहां नागर नवल कि सोर ॥ लल ॥ ३ ॥ सुं
 दर स्यां म सुहावनो श्रोर सुंदर नमाल ॥ ४ ॥ ओहें सुंद
 र पटपी यरो सुंदर नें न विसाल ॥ लल ॥ ५ ॥ मन न रहें क्यो
 राषिये राष त दून रहाय ॥ लल ॥ ६ ॥ जो रिजत न जो की जि
 ये जहां प्रीत मत हां जाय ॥ लल ॥ ७ ॥ कें सें राखों क्यो र
 हूं कें सें कें वन जां उ ॥ लल ॥ ८ ॥ कें सें के गिर धर मिले सो मि
 स क्यो न करा उ ॥ लल ॥ ९ ॥ कें सें के संग मिलि खे लिये
 सा सु सु सर की लो ॥ लल ॥ १० ॥ लाज की पेड़ ख पाई ये श्र
 न मिले होय श्र काज ॥ लल ॥ ११ ॥ जो ऊं चें गिर धर व से
 जो नी चें धर हो श ॥ लल ॥ १२ ॥ तो न बुला ए को लिये नें न निर
 षि सुष हो श ॥ लल ॥ १३ ॥ वन व पुरी हिर नी भली श्र पने
 पति न समेत ॥ लल ॥ १४ ॥ निस दिन श्रा मुपदेषिये ने न न
 को फल लेत ॥ लल ॥ १५ ॥ लटक न लटकें फल कें श्रोर घुंघ
 र वारे के सा ॥ लल ॥ गाय गो प के हं द में वलि हारी यावेश

लल ॥ १६ ॥ सोरु स में धर आव ही मुदित सकल वज्र बाल
 लल ॥ मदन मोहन के चार नें वलि वलि दास गुपाल ॥ लल ॥
 १७ ॥ राग गो ॥ श्री गोकुल राज कुं मार ॥ कमल दल
 लोचना ॥ गदे सिंघ डवार ॥ क ॥ नषा सिष भेष वनाइ
 क ॥ सुंदरता अतिसार ॥ क ॥ १ ॥ सभरे नंद कि सो ॥ क
 निक से खे लन फाग ॥ क ॥ वै मधुर वें न कर धर ॥ क ॥
 गावत गोरी राग ॥ क ॥ २ ॥ आ ए वज के वो हरे ॥ क ॥ ली
 एस वासव संग ॥ क ॥ नव भूषन नर वसन ॥ क ॥ सो मि
 त सांवल अंग ॥ क ॥ ३ ॥ उप मां के ही यन जाय ॥ क ॥ सुं
 दर मुष आनंद ॥ क ॥ बाल कंदन छत्र ॥ क ॥ प्रगटे पुर
 न चंद ॥ क ॥ ४ ॥ वाज तत लि मंद ग ॥ क ॥ आव ज ड फ मुष
 चंग ॥ क ॥ मदन भोरि सुर चीन ॥ क ॥ ५ ॥ गिरि गिरी मां मि
 उपंग ॥ क ॥ ६ ॥ श्रवन सुं नत चली रो रि ॥ क ॥ ग्रह ग्रह नें
 सव नासिक ॥ तिन में पर म सुदेस ॥ क ॥ राधा अति स
 कुं मारि ॥ क ॥ ७ ॥ वने चीर आभरन ॥ क ॥ सवत न वि वि
 धि सिंगार ॥ क ॥ कंकन कटि किं किनी ॥ क ॥ उर गज मो
 ती नहार ॥ क ॥ ८ ॥ नक वे सरिता टंक ॥ क ॥ कंठ सिरी च
 नु भांति ॥ क ॥ चो की वनी ज राइ ॥ क ॥ इरि कर तर वि कांति

॥धमा० क॥५॥ सेंदुरतिलकतमोल॥क॥ सुटिलावनेबिसे
 ॥१७५॥ य॥क॥ सोभितकेसरिआड॥क॥ कुंमकुंमकजलरे
 य॥क॥ फुलितअतिआनंद॥क॥ चितवतहरिमुख
 ओरा॥क॥ मांनोविधुप्रीतममिले॥क॥ सादरचा
 रुचकोरा॥क॥ १०॥ रूपनैनरसभरे॥क॥ वारुंवारनि
 हारि॥क॥ गावेरुमकचेत॥क॥ वीचमुहाईगारि॥
 क॥ ११॥ चोवाचंदनअगर॥क॥ सोंधेमेजेअनेक॥
 क॥ पिचकाईकरलिया॥क॥ धांडैएकतेएक॥क॥
 १२॥ अतिभरिवांधेफेंदा॥क॥ सुरंगअवीरगुलाल
 क॥ दुहंदिममाओखेदा॥क॥ इतगोपीउतग्याल
 क॥ १३॥ नरनारीपरीपौरा॥क॥ छिरकततकितकि
 छेदा॥क॥ भरतभईअतिभीरा॥क॥ मांनोवरषतमेंह
 क॥ १४॥ वारुवरनभएवसन॥क॥ अंगनिरहेलपटाई
 क॥ कीइनेसबभएमगन॥क॥ आनंदउरनसमाई
 क॥ १५॥ अजनुवतिनमतोमत्यो॥क॥ मुषनिजनाव
 तवेन॥क॥ पकरनकौंधनस्याम॥क॥ मिलवतइतउ
 तसेन॥क॥ १६॥ जुवतिजूयदलपेलि॥क॥ हीनेसधा
 भजाइ॥क॥ कहैतकहामतौकरहि॥क॥ अवतोकधु

नमुहाइ॥क॥ १७॥ कहैतनवांचेंकधुक॥ वचनगारिअ
 रुगीत॥क॥ कुंडनजुरिचरुंओरा॥क॥ जायगद्योपर
 पीत॥क॥ नवलकुंवरजोजानिये॥क॥ अवजोकगुवा
 लेहु॥क॥ प्यारीराधाकरहुजुहार॥क॥ केहमकौंकगु
 वादेहु॥क॥ १८॥ फगुवादेहुदेहु॥क॥ छोडहुओरुपाइ
 क॥ हमारोभायोकरहु॥क॥ केछूरोमाथोनथी॥क॥
 २०॥ प्यारीपीयसोंकहे॥क॥ अतिमीवेछुडुवोल॥क॥
 काजरओजेनेन॥क॥ रोरीहरदकपोली॥क॥ २१॥ मुष
 मांडेअतिछविभई॥क॥ कोरिसदनसिरताज॥क॥ न
 भुवनसौभगछविलीये॥क॥ मांनोआहनआयो
 आज॥क॥ २२॥ कीरतिअविचलरहो॥क॥ जुगजुगइ
 हिबजवास॥क॥ सीगिरथस्कोजसगोन॥क॥ नितक
 रोचतुर्भुजरास॥क॥ कमलदललोचनां॥ २३॥ रागईमन॥
 श्रीगोवर्दनरायलालाप्यारेलालतिहारेचंचलनेन
 विमाला॥तिहारेउरसोहेवनमाला॥ तातेंमोहिरही
 वृजवाला॥ २४॥ खेलतखेलतजहांगएतहांपनिहारी
 नकीवार॥ गागरिछोरेसीसतेंकोऊभरननपावतधा
 दा॥ २५॥ नंदरायकेलाडिलेवल्लिएसोखेलनिवारि॥ मनमें

॥ धमा ॥

॥ १७ ॥

आनंदभरिहो मुषजो वतिसकल ब्रजनाशि ॥ २ ॥ अरग
जाकुं मकुं मघोरिकें भाजी गिरिधर गाल लगाइ ॥ ३ ॥ प्या
री लीनो करल पटाइ ॥ ४ ॥ अचका अचका आयकें भाजी
गिरिधर गाल लगाइ ॥ ५ ॥ इहिविधि होरी खेल ही ब्रजवा
सीन संग लगाइ ॥ ६ ॥ गोवरधन धर रूप पेज न गो विंदवलि
वलि जाइ ॥ ७ ॥ ॥ अथ डोल के पदा ॥ राग देवगंधा
रा ॥ मनमोहन अहुत डोलवनी ॥ तुं मधुलो हो हरपि
कुं लां ऊ बंदावन चंदनी ॥ १ ॥ परमविचित्र ओविस्व
कर माही रालाल मनो ॥ चतुर्भुज दास लाल गिरिधर छ
विकापें जात गनी ॥ २ ॥ ॥ राग देवगंधार ॥ मोहनरूल
तवदो आनंद ॥ एक ओर खभान नंदिनी एक ओर ह
जचंद ॥ १ ॥ ललिता साखा कुलवति गरी कर गहे कं
न डोल ॥ निरखि निरखि प्रीतम ओर प्यारी विहसिकहे
तहमि बोले ॥ २ ॥ उडत गुलाल कुं मकुं मावेंदन परमत
चारु कोला ॥ छिरकत तरुनी मदन गुयाले आनंद
दयक लोल ॥ ३ ॥ कहा कहें रसवदो परस्पर अभिवन
वरयो न जाई ॥ कुं भनदास लाल गिरिधर की धां निरूप
रवलि जाय ॥ ४ ॥ ॥ राग देवगंधार ॥ रूलत डोल होऊ

१७

अनुरागे ॥ केसरि ओर गुलाल सोंधी भीजे चोवाल परे
वागे ॥ १ ॥ ललिता दिक मिलि रूं मक गावत एक एक ते आ
गे ॥ वाजत ताल पयावज आवज मुरली संग मुहागे ॥ २ ॥
देत असी मवली ब्रज सुंदरि फिरि खेलेंगा फागे ॥ कलस
सप्रभु को छवि निरखत रों मरों मरस पागे ॥ ३ ॥ ॥ राग
कल्याण ॥ डोलरूलत है गिरिधर ननवल नंद साला ॥
ब्रजपुर रानि तानि रसिवारति हे कंठ निरुमनि माला ॥
१ ॥ सकल सिंगार अनूप विराजत कुं नत वेंनर साला ॥ मा
धोदा अनिरपि गोपीजन प्रमुखि श्री गोपाला ॥ २ ॥
॥ राग कल्याण ॥ डोलचंदन की रूलत हलधर वीरा ॥ श्री
बंदाव नमै कालिंडी के तीरा ॥ गोपीरही अरग जा छि
रकत उडत गुलाल अवीर ॥ मुरनर मुं निजन कौतिक
आए अयो मविमान नभीरा ॥ २ ॥ वामभा गिराधिका वि
राजत पेहेरे के संभी चीरा ॥ परमानंद स्वांमि संग रूल
तवदियोरंग मरीरा ॥ ३ ॥ ॥ अथ डुति पाठ के प
दा ॥ राग मारंग ॥ लालनेक देसिये भवन हमारो ॥ डुति
पावो दीसंधासन वेढे अविचल राजति हारो ॥ १ ॥ सांमुह
प्रकार ॥ खिरक सिधारी पीयवन गयो सवारो ॥ आसपास

॥धमा०

॥१८५॥

कोऊधरनांहीयरकांतहेन्यारो॥ओगोइधसद्यधो
रीकोलेउस्यामघनपीजे॥परमानंदहासकंगिकुरक
छूकहोहमारोकीजे॥२॥अथफलमंडलीकेपदा॥
रागसारंग॥अतिविचित्रफलनकीचोखंडीवेढेत
होरसिकगिरधारी॥रायवेलिमालतीमाधवीचंपकव
कुलगुलावतिवारी॥जायजुहीकेवरुंकितुकीसौर
भसरसपरमरुचिकारी॥पाउररुसवतीमालिकावो
लसरीरचिरुचिरसवारी॥नरसरंगपरस्परउपगत
वनीहेंसंगराधासकुंमारी॥चतुर्भुजरासकुसुमसि
ज्यायस्करतविलासुडोऊपीयप्यारी॥३॥रागसारंग
॥फलनकीमंडलीमंडितफलहीये॥फलनकेसे
जफलनकेभूषनफलकेकोटिककांसजेहें॥
फलवटीअवदासचतुर्भुजसपीसुखफलहीयेहल
सेहे॥फलनिसाससिफलरघोगिरधारीजभांवते
कुंजलसेहे॥२॥रागसारंग॥वेढेलालफलनकेचो
वारो॥कुरवकुवकुलमालतीचंपोकेतुकीनवननिग
रो॥जायजुहीकेवरुंकुंजोरायवेलिमहका॥मंदम
मीरकीरअतिकुंजतमधुपकरतगुंजारो॥३॥राधारव॥१८५॥

नरंगभरेकीउतनांचतमोरअखारे॥कुंभनरासगिरधर
कीछविपरकोटिकमनमथवारे॥३॥रागसारंग॥
फलनकेमहेलगिरिधरनवलभांमिनी॥कनककीवेलि
लपटीतरुतमालसोस्यामघनवीचज्योलसतसोरांमि
नी॥१॥नवकुसुमसोपल्लवरचीहरषसोकंठआरोपि
भुजचलतगजगांमिनी॥नंदनंदनमधुरहासमंडुबोल
नारिकुयलीनेहारिकेसकीस्वांमिनी॥२॥अथश्री
रामचंद्रजीकीवधाईकेपदा॥रागविलावला॥आजु
अजुध्याप्रगटेराम॥जसरथवंसउदयकुलहीपकसि
वविरंचिमनभयोविश्राम॥घरघरवंदनतोरनमा
लासोतिनचोकपूरेजिजकांम॥परमानंदहासतिहि
ओसरवंदीजनराखतअवतांम॥२॥रागआसाव
री॥आजुअजुध्यामांरुवधाई॥दसरथसरनचैत्र
शुदिनोमीदिन॥प्रगटेसंतनसुखदाई॥३॥वडोभा॥
गिकोमित्यारांनीजाकीकृषिभएरघुराई॥अमरलो
कपरलोकनरगावतउरआनंदनसमाई॥२॥सप्तलो
कसंतोपहरनभुवभारउतारनआयोधाई॥मर्यादा
पुरुषोत्तमलीलाप्रेमसहितगीकुलचंद्रगाई॥३॥॥

॥ धमा ॥ राग सारंगा ॥ आजुअनुध्यामंगलचार ॥ मंगल कलस
 ॥ १९९ ॥ वारतोरनमैवंदीजनगावेदारा ॥ दसरथकोसिल्या ॥
 केकईवैठेआयमंदिरद्वाररघुपतिभरतसत्रघन
 लक्ष्मिनचासोधीरउदारा ॥ २ ॥ एकनाचेएककरेकुला
 हलपायनेपुरकोरुनकारा ॥ परमानंदप्रभसुमोहन
 प्रगटेअसुरसंधारा ॥ ३ ॥ राग सारंगा ॥ पुकुलमैप्र
 गटेरघुवीरा ॥ देसदेसतैटीकोआयो ॥ ननकनकममि
 हीरा ॥ घरघरमंगलहोतवधाए ॥ अतिपुरवासिनभी
 रा ॥ आनंदमगनभए ॥ अतिदोस्तकछवनसुधिसरीर
 ॥ हाटकवहुईछालुटा ॥ गोगाइदेवीर ॥ देतअसीसस
 रमचिरजीगोरांमचरेनधीरा ॥ ४ ॥ श्रीआचार्यजी
 कीवधाईकेपदारागविलावला ॥ माधवमांसेभरि
 वेसारवे ॥ श्रीवल्लभहरिजनमलिया ॥ श्रीलक्ष्मननंद
 नात्रभुवनवंदनाभक्तिमारगजिनिप्रगटकिया ॥ छंद
 प्रगटियामारगमहानिरमलजीवबंधधुडाईयां ॥ सं
 सारतेजेमुक्तिकीएसरनिजेजनआईयां ॥ अभयदा
 ननिमानमेल्याचितजिनहरिकोंदीया ॥ गोपालदास
 अनंतलीलाप्रगटश्रीवल्लभभया ॥ हाताभुगताओ ॥ १९९

रनइजासांचात्रिभुवनरायवेहा ॥ विरहनिवारनाभ
 वसिंधुतारनादेषतउपजेचाववेहा ॥ छंद ॥ देषतउपजे
 चावहरिकोसकलदोषनिवारियां ॥ जाकोनामलीये
 जरेंयातककरजोरिनिगमपुकारियां ॥ पतितपावन
 विरधजाकोसीलमाधोकरिमया ॥ गोपालदास
 अनंतलीलाप्रगटश्रीवल्लभभया ॥ २ ॥ एबजबोलियां
 गोपगुवालियां ॥ गोकुलकेलोगवेहा ॥ यदवनकी
 डाश्रीमुषवीडाहरिसेवारसभोगवेहा ॥ छंद ॥ हरिभो
 गओरसंजोगमिलियाहीवेभीतररमिरघा ॥ तेरी
 देविसुरतिभलीमूरतिअधिकाअंचलगद्या ॥ वाल
 चरित्रमुकुंदलीला ॥ नंदसवगुंनगद्या ॥ गोपालदा
 सअनंतलीलाप्रगटश्रीवल्लभभया ॥ ३ ॥ परनब्रह्म
 सनातेनमाधोकलिकेसोअवतास्वेहा ॥ जिनिजेसा
 देख्यातिनिनेसापेख्याभक्तनप्रांनअधारवेहा ॥ छंद
 भक्तनप्रांनअधारश्रीवल्लभहीयेभीतरराखियो ॥ राम
 कृष्णमुकुंदमाधोसराजिभ्याभाषियो ॥ गोपीनाथअ
 नाथवंदोवेदमैकरुणामया ॥ गोपालदासअनंतली
 लाप्रगटश्रीवल्लभभया ॥ ४ ॥ रागविलावला ॥ श्री ॥

॥ धमा ॥ श्रीलक्ष्मनग्रहमंगलचार ॥ प्रगटभए श्रीवल्लभपुरु
 ॥ १८२ ॥ पोतमत्रभुवनजैजैकार ॥ वदिवैसासुभएकादस
 कृष्णपक्षगुरुवार ॥ प्रगटभए श्रीवल्लभपुरुपोतम
 त्रिभुवनजैजैकार ॥ २ ॥ श्रीभागवतगुंनअर्थप्रका
 सितभूतलदिजअवतार ॥ ३ ॥ आवहुजुवतीकुणवधा
 ईनवसतसजिसिंगार ॥ हरदइवअछितइधकुंम
 कुंमआरतीकंचनधार ॥ ४ ॥ अनेकपूजितउधारगे
 आगेसुंदरवदननिहारि ॥ अतिआनंदभयोहरिज
 नकोचरनकमलवलिहारि ॥ ५ ॥ रागविलाक
 जुवधाईमंगलचार ॥ प्रगटभए श्रीवल्लभपुरुपोतम
 गावतमंगलगीतजुवतीजननवसतसाजिसिंगार
 ॥ मंगलकनककलससुभमंगलमंगलवांधीकुंदन
 वार ॥ मंगलमोनिनचोकपुराएपंचसदग्रहदार ॥ २
 घरघरमंगलमहामहोखवश्रीवल्लभअवतार ॥ ह
 रिजीवनप्रभुजग्यपुरुषश्रीलक्ष्मनभूपकुंमार ॥ ३
 ॥ रागदेवगंधार ॥ भूतलमहामहोखवआजुश्री
 लक्ष्मनग्रहप्रगटभएहेश्रीवल्लभमहाराज ॥ १ ॥ आ
 ताईइयाकरिश्रीहरिपुष्टिप्रगटवेकाज ॥ कलिमें

जनमउछास्योततछिनवूतवेदजिहाज ॥ २ ॥ आनं
 दमूरतिनिरषतनेननिहलेभक्तसमाज ॥ नांचतगा
 वताविवसभएसवछांडिलोककुलताज ॥ ३ ॥ घरघर
 मंगलवजतवधाईसजतनएसवसाज ॥ मगनभए
 तनगिनतनकारुतिरुलोकपरगाज ॥ ४ ॥ लीलापि
 धुमहारसतातेवधावेमकीपाज ॥ रसिकनकेसिरसहो
 विराजोभक्तनकेसिरताज ॥ ५ ॥ रागआमोवरी ॥
 प्रगटभएप्रभुश्रीमद्वल्लभजवद्वभदिजदेहा ॥ निज
 जनसवआनंदितगावतवजतवधाईसवहिनगेह
 ॥ निरषतश्रीमुखचंदसवनकेइरिभएसवनिगम
 संदेह ॥ मिटिगएकुटिलकपरखलमारगभस्मभए
 सवआसुरजेह ॥ २ ॥ भूतलउदयोभावश्रुतिनकोमन
 उपज्यो नंदनंदनेह ॥ मिटेतापनिजजनकेतनकेव
 रखेप्रेमभक्तिरसमेह ॥ ३ ॥ करतकेलिकुंजननितगि
 रधरमुधिकरिप्रवठोरवजेह ॥ दासकहेतजोरीचि
 रजीवोकहागुंनवरनोनाहिनछेह ॥ ४ ॥ रागसार
 गा ॥ श्रीलक्ष्मनग्रहमहामंगलभयोप्रगटेश्रीवल्ल
 भपूरनकोम ॥ माधवमांसकृष्णपक्षसुभलग्नउदित

॥ श्री-आ-
॥ १८३ ॥

एकादशी दूसरो जाम ॥ मंगलकलशचोकमोतिन
केविविधिविचित्रचित्रवनेधाम ॥ गावतमंगलमु
दितमांनिनीनषसिषरूपकांमसीधाम ॥ मि
टोतिमरडः षट्दजगतकोभोरभयोमांनोमि
टिगईजाम ॥ मांनिकचंद्रप्रभूसदावि ॥ श्री-आ
यवसोश्रीगोकुलगाम ॥ १७ ॥ रागसूरगकेसरि
कीधोतीपेहेरेकेसरीउपरेंना ॥ ओरेतिलकमुंडा
धरिवेठेश्रीलक्ष्मनभटथां ॥ जिनमद्योसजानि
जानिअरुतरुचिमांनिनषसिषकीसोभाऊ
परवारोंकोटिकांमा ॥ सुदरताईनिकाईतेजप्र
तापअतुलता ॥ सपासजुवतिजनकरतिहें
गुनगान ॥ परमनाभप्रभुविलोकिगिरधर
वागधी ॥ इहिओरजेहेतेवडेभागिमान ॥ १८ ॥
रागसूरगकेसरिकीधोतीकटिकेसरीउपरेंना ॥
ओरेतिलकमुंडाधरेगटेमंदिरगिरधरके ॥ दोऊ न
कीप्रीतिकछूकारूपेनकहीजातिउतनंदनंदन
उतवस्त्रभवरेके ॥ करिकेंसिंगारआजुलाडि
लेकुंवरकोलेतहेवलाइवारिवारिहोऊकरके ॥ वे १८३

ऊमुसिकातजातफुलेनसमातगातकहेतहरि
समेनिहारेइगभरिकें ॥ २० ॥ रागसारंग ॥ रतिप
थप्रगटकरनकोप्रगटेकरुणामयश्रीवस्त्रभभ
तल ॥ हुलसेसकलदैवीजनकेमनसाधनविनुह
मपावेगफल ॥ मायामतकोतिमरगमायो ॥ धेय
दिषायोवेदवचनवल ॥ इहिमारगजेइहानिकोह
रिमेलतमुषमेपत्रकुसमजल ॥ सोचतवदनमु
धाकरसेवकमारगरिपुसाहेवजीनल ॥ सेवारस
सागरप्रगटोयहवदन ॥ अलतेअतिसेसीतल
॥ उपजततापछिनकसीनिधमेंदेतविरहआनेद
रसकेवल ॥ देषोसंतविचारिचारुचितमेंगोकुलप
तिहेयहनिश्चल ॥ देचरणोदिकदोषनिवारैस्त्र
धेकीयेकालकलिकेखल ॥ रसिकभजननितश्रीव
स्त्रभपदतेवडभागिसदामननिरमल ॥ १९ ॥ अथ
अक्षयतृतीयाकेपदा ॥ रागसारंग ॥ चंदनपेहेरत
गिरधरलाल ॥ प्यारीराधाकेभुजकनकबेलावांम
भागगोपाल ॥ प्रथमहिविचित्रतृतीयाआछेव
दनभकुटीभाल ॥ सेततहोवांधेपागलपेदापीतांबर

॥ अष्ट ॥ चोखना विमाल ॥ २ ॥ कुं मकुं मकचनु गहेक मलनि में
 ॥ १८४ ॥ कंठहोऊलखनी माल गुलाल ॥ कलसप्रभूरसिक
 मुकरमनिविलसतवृजकीवाल ॥ १ ॥ राग सारंग
 देषिसषी गोविंदके चंदन सोभित सांवल अंग ॥ नाना
 भांति विचित्रकी येहे तामेके सरिविविधि सुरंग ॥ १ ॥
 कंठमालपीरोउपरें नावनी इजारवनी ॥ २ ॥ चरंग का
 ननकरन फूलभकुटी गतिमोहत कोटि अनंग ॥ २ ॥
 मगमदनिलककमलदललो ॥ ३ ॥ सीमयाग अरध
 ग ॥ चतुर्भुजप्रभुगिरधरतन ॥ ४ ॥ नछिंनछविकेउठ
 ततरंग ॥ २ ॥ राग सारंग ॥ १ ॥ आजु अतिमोभितहेनंद
 लाल ॥ नवचंदनकोलेपकियेताऊपरमोतिनमाल
 ॥ १ ॥ खासाकोकटिधन्योपिछोराकुलहसरसवनीभा
 ला ॥ कुंदमाल श्रीकंठविराजतविचविचफूलगुला
 ला ॥ २ ॥ सुरगराग अलापतगावत मधुरेसरससुरा
 लाल ॥ गोविंदप्रभुकीयाछविऊपरमोहिरहीवृज
 वाल ॥ ३ ॥ अथ श्रीनृसिंहचतुर्दसीकेपदा ॥ राग
 सारंग ॥ यहृतमाधोप्रथमालियो ॥ जोप्रांनीभ
 कनकोउपवेताकोपारेंनषनहियो ॥ १ ॥ जेभक्तन

सोवेरकरतेहेतेपरमेसुरसोवेरकरो ॥ राववारीकोचक्र
 सुदरसनमाथेंऊपरमदाफिरो ॥ २ ॥ पराधीनहोअपने
 भक्तनकोजाकारनअवतारधरो ॥ यहनुकहीमुनि
 जनकेआगेअभिमांनीकोगभभहरो ॥ ३ ॥ भजतेभ
 जोतजोनहीकवरुंपारथप्रतिश्रीमुषयोभासी ॥ ४ ॥ प
 रमानंददासकोगकुरईश्वरसकलभुवनहेसाषी
 ॥ १ ॥ कांक्रो ॥ तोलोहोवैकुंठनजेहो ॥ मुनिप्रल
 दप्रतिज्ञामेरीतोलो तोसिरछवनधरहो ॥ १ ॥ मनक
 मवचनमांनिजियअपनेजही ॥ जहीजानेतहितहिके
 हो ॥ निर्गुनसर्गुनहेरिसवदेखतोसोभक्तवहोरिनहि
 पेहो ॥ २ ॥ मोदेषतमेरोहसुडुषितभयोयहकलंकअवे
 हीजुचुकेहो ॥ ३ ॥ करोकोठिनपाषानहेमेरोअवहोदीन
 दयालकहेहो ॥ ४ ॥ गहितनुहिरण्यकसिपकोचीरुं
 उदरफारिनषरुधिरअघेहो ॥ यहमुनिवाततातअ
 वसरजयाकृतवडोफलतुरतचखेहो ॥ ५ ॥ कांक्रो
 हरिराखेताहिडरकाको ॥ महापुरुषसमरथकम
 खापतिनरकेहरीषसमहेजाको ॥ १ ॥ वहोतजाचना
 करिकरिदेषी निरफलभयोसिसिआइरहो ॥ तावाल

॥धमा०

॥१८५

ककोवारनवांकोहरिकीसरनप्रल्लादगयो॥२॥हिरण्य
कशिपकोउदरविदास्यो॥अभयराजप्रल्लादगयो॥पर
मानंदस्वामिकृपाचिते॥अपनेभक्तकोनीकोकीयो
२॥३॥रागकां॥जाकोतुंमंगीकृतकीयो॥तिन
केकोटिविघनहरिदारे॥अभेदानप्रल्लादगयो॥१॥वोहो
तप्रल्लादगईप्रहेलादेसवहिनिसंकजीयो॥निकसेख
भमध्यतेनरहरिआपुनराखिलीयो॥२॥दुर्वीसाअंवर
षसतायोसोफुनिसरनिगयो॥प्रतिजाराषीमदनमो
हनउनहीपैपठयो॥३॥मृतकभएहरिसवेजिवाएड
हिहिअमृतपीयो॥परमभक्तवसकेसोउपमा
कोकोऊनवीयो॥४॥अथस्नानयात्राकेपहा॥राग
भैरवा॥पूरनमसपूरनतिथिश्रीगिरधरस्नानकरत
मनभायो॥प्रतिआनंदसो॥रूवावतश्रीविहलज्योवि
धिवेदुतायो॥१॥उतमजेष्टज्येष्ठानक्षत्रहोतअभि
शेषभक्तनमनभायो॥परमानंदलालगिरधरअति
उदारदरसायो॥२॥१॥रागविलावला॥मंगलज्येष्टज्ये
ष्टाप्रन्योकरतस्नानगोवर्दनधारी॥रुधिओररूधम
धुधृतसर्कराकेसरिजलघरदारनप्यारी॥१॥चौवाचं

१८५

हनमृगमहसौरभरसमुगंधकप्रनन्यारी॥अरग
जाअंगअंगप्रतिलेपनकालिंदीमधिकेलिमहारी
२॥सषीयनजूथजूथमिलिछिरकतगावततांन
तरंगनभारी॥केसोकिसोरसकलसुषदाताश्रीव
स्वभनंदनवलअधिकारी॥३॥रागगंधारा॥नंदकोम
नवांछितफलआयो॥फुलीफिरतिजसोरासीहनी
उरआनंदनसमायो॥१॥गोमगोमतेजातिबुलाई
मोतिनचोकपुरायो॥ब्रजवनितासयमंगलगाव
तिवाजनघोषवजायो॥२॥प्रथमरातिजमुंनानलघ
रभरिअधिवासनकरवायो॥उतिप्रभातकंचनचो
कीधरितापरलालबैरायो॥३॥राजरेतअभिसेसहो
तहेविप्रनवेदपहायो॥ज्येष्टशुक्लप्रन्योदिनगंधव
कूलहरषवरवायो॥४॥रंगीकोरधोतीउपरनोआ
भूषनवसनसाज॥हारिकेशप्रभूभएघोषपतिनाम
धस्योब्रजराज॥५॥३॥रागरामकली॥जमुनाजलकी
उतहेघनस्याम॥दक्षनभागचपलचंडावलि राधेरा
जतवाम॥१॥अपनेअपनेजूथनिगरीखिलतछिरक
तभाम॥गजवरज्योसोहतमनमोहनदिवसनजान

॥रथ०

॥१८६

तजोम॥२॥वैनीउलटिवदनपरआवतलपटीचंपकवां
म॥कनकाजजीरगचंदमदनकोरुंमतहेतसकांम॥
३॥इहिविधिशीषमकीरितुमानतेंघोसपरतरेघोम
हारिकेशप्रभूकघोसवनसोंचलोआपनेधोम॥४॥
अथरथयात्राकेपद॥रागमलार॥देखोसषीरीआजु
नेंनभरिहरिजूकेरथकीसोभा॥जोगजगजपतप
हततीरथकीजतहेतिहिलोभा॥चारुक्रमनिषचि
तविराजतचंचलचवरपताका॥सेतुसुमनोससिप्रा
चीरिसउदितभयोनिसराका॥स्योमसरीरसुदेस
पीतपटसीसमुकटओरमाला॥मानोंरामिनिघनर
वितारागनउदितएकहीकाला॥३॥उपजिछरीकर
अधरसंखधुनिमुंनियतशब्दप्रसंसा॥मानहुंअरु
नकमलमंडलमेकुंजितहेकलहंसा॥४॥आनंदित
पितुबंधुनमेसबकुलमिलनजियभायो॥सुरास
गोकुलकेवासीप्रांननाथवरपायो॥५॥मलार॥
तुंमदेखोसषीरीरथवेढेब्रजनाथ॥संकरषनकेबंधु
विराजतगोपसपालैसाथ॥१॥एकओरराधाजुवती
सबछत्रचवरललिताकेहाथ॥विविधिभांतिगोवर्द्ध

१८६

नधारीरुल्लसकोंकीयोसनाथ॥२॥मलार॥रथच
टिचलतजसोराआंगन॥विविधिसिंगारसकलअंग
सोभितमोहनकोटिअनंगन॥बालकलीलाभावज
नावतकिलकिहसतनंदनंदन॥गरेविराजतहासकुसु
मकेचरचितचोवाचंदन॥२॥अपनेअपनेग्रहपधरा
वतसबमिलिब्रजजुवतीजन॥हरषितअतिअरपति
सरयसुओरवारतहेतनमनधन॥३॥सबब्रजसुषरे
आवतघरकोंकरतआरतीजसोमानितनछिन॥र
सिकसरांहरिकीयहलीलाबसोहमारेहीमन॥४॥
मलार॥बांहरपटपीतकीकेहरांनि॥करगहेचक्रचर
नकीधावनिनहिबिसरेतिवहवांनि॥१॥रथतेंउतर
आवनिआतुरकेचक्रजकीलपरांनि॥मानहुंसिंघ
सेलतेनिकस्योमहामतगजजांनि॥२॥जिनिगोपाल
मेरोप्रनराख्योमेरिवेदकीकांनि॥सोईवसरसहायह
मारेनिकटभराप्रभुआंनि॥३॥मलार॥आजुमा
ईरथवेढेगिरधारी॥वांमभागिवृषभांनवैरानंदनी
चेहेरेंकसंभीसारी॥तेसोईघनउनयोचहुंदिसते
गरजतहेअतिभारी॥तेसोईरादुरमोरकरतररतेसी

॥ १५० ॥ ये भूँ मिहरियारी ॥ २ ॥ सीतल मंद वहे मलयानल लाग
 ॥ १५१ ॥ तहे सुरवकारी ॥ नंदनंदन की या छवि ऊपर गोविंद जन
 बलिहारी ॥ ३ ॥ **दी ॥ मलार ॥** तुं मदे पो माई रथ वेठे न
 हलाल ॥ अति विचित्र पेहेरे पटनी नो उर सो हेवन माल
 ॥ सुंदर रथ मनि जटित मनो हर सुंदर हे सव साज ॥
 सुंदर तुरंग चलत धरनी पर रघो घोष सरगोज ॥ २ ॥ त
 लपवा वज्र वीन वां सुरी वाजत परम रजाल ॥ गोविंद प्र
 भूपी य पेहेले वर पत विविध कुं मंत्र जवाल ॥ ३ ॥
राग मलार तुं मदे पो माई हरि ज के रथ की सो भा ॥
 प्रात स में मां नो उदित भूषे रवि निरवि ने न अतिलो
 भा ॥ १ ॥ मनि में जटित रस साज सरस सव धुजा चरन
 चित चो भा ॥ मदन मोहन पीय मध्य विराजत मन
 सिज मन के चो भा ॥ २ ॥ चलत तुरंग चपल भुव ऊपर क
 हाक होय प्रो भा ॥ आनंद सिंधु मां नो मकर की उत
 मगन सुदित चित चो भा ॥ ३ ॥ इति विधिवनी ब्रज वीथ
 निमही यां देत सकल आनंद ॥ गोविंद प्रभूपी य सदा
 वसो जी य हंदावन के चंद ॥ ४ ॥ **अथ मलार के पद ॥ रा**
ग मलार ॥ हंदावन क्यो न भए हम भोर ॥ करत निवास

खकारी ॥ कल्लहा सप्रभून वरंग गिरधर भजिन वरंग राधि
 का प्यारी ॥ २ ॥ **राग मलार** सषीरी सावन डूल ह आयो
 चारि मां सकोल गन लिखायो वदरन अंबर छायो ॥
 विजुली चोपिव गुलावराती कोयल राद सुहायो ॥ रा
 डुर मोर पयैया उपंगी इंदुनि सांन वजायो ॥ २ ॥ हरी ह
 रा भूमि पर अरु न देखियत विचित्र विछो न आवि छायो
 सरदा सप्रभू के हित कारन मां न नीसों लगायो ॥
राग मलार लाल मेरी सुरंग चूं नरी देहु ॥ मदन मोह
 न पीय रुगरो को नेव द्यो सो अणु पीत पटले दा ॥
 तुं म ब्रज राज कुं मार को न को उर हूं वकहा कटंगे दा ॥
 गोविंद प्रभूपी य वे सिंदु आवत चरुं दिसा ते मेहु
 २ ॥ **मलार** ब्रज परानी की आजु घटा हो ॥ ने नदी ने नदी
 वंद सुहाई ला गत चमकत वीज छटा हो ॥ गरजत ग
 गन मंदंग बजावत नांचत मोर नटा ॥ गावत ही सुरदे
 तचात्र कपी क प्रगटित मदन भटा ॥ २ ॥ सव मिलि भेट
 करत नंद लाले वेठे ऊंचे अटा ॥ चतुर्भुज प्रभू गिरधर न
 लाल ॥ वि सिर कसं भी पीत पटा ॥ ३ ॥ **मलार** ॥ स्यां
 म सुं नि नियरे आयो मेहु ॥ भीजेगी मेरी सुरंग चूं न

मला ० ॥ श्री ओटपीतांवरदेउ ॥ ॥ ॥ ॥ मिनि ते होउरपति हो मोहन निक
॥ १८९ ॥ टआपुने लेहु ॥ चतुर्भुज प्रभू गिरिधर नलाल सो वादो
 अधिक सनेहु ॥ २ ॥ **राग मलार** सघीरी बंद अचो न कला
 गी ॥ सो वतहु ती मदनर समाती घन गरज्यो तव जागी
 ॥ दाउर मोर पपैया कोयल बोलत हे अनुराग कुंभन
 दास लाल गिरिधर सो जाय मिली बड भागी ॥ २ ॥ **राग**
मला लाल अव भीजत आगरेह ॥ करु कुटी कां मरि
 की षोई बंद नवी च सनेह ॥ १ ॥ निमि अधियारी कष्ट वन
 सरुत धरे नीरु कोरत मेह ॥ २ ॥ **मलार** ॥ चलि सघी कुं
 के देषीयत सांवरी देह ॥ १ ॥ **मलार** ॥ ॥ चलि सघी कुं
 जन वरषत मेह ॥ पेहोरे चूं नरी सजि आभूषन नैन
 निअंजन देह ॥ २ ॥ सुरंग चूं नरी की छवि भां मिनि क
 हेतन आदेह ॥ १ ॥ **मलार** ॥ हमारै माई स्यां माजू
 कोराज ॥ जाके आधीन सदाई सांवरो या व्रज को सिर
 ताज ॥ १ ॥ यह जोरा अविचल वृंदावन नही ओर सो का
 ज ॥ श्री विहल बिपुन विनोद विहार निज्यो जल धर
 सिर गाज ॥ २ ॥ ॥ भक्त मनोरथ पूरका यनम ॥ श्री : १८८

गोवर्द्धन ऊपर निरपत नंद कि सोरा ॥ १ ॥ क्यों न भएवं सी
 कुल सजनी अधरपीवत घन घोरा ॥ क्यों न भए गुंजा
 वन वेली रहेत स्यां मज्जू की ओरा ॥ २ ॥ क्यों न भए मकरा
 कृत कुंडल स्यां मश्रवन रुकोरो ॥ परमा नंद दास को ग
 कुर गोपिन के चित चोरो ॥ ३ ॥ **राग मलार** यह हरि
 सिवे की नाही ॥ वरषत मेह नै ह धरनी के चो लत कुं व
 रक नाई ॥ १ ॥ ज्यों वेली ग्रीष्म रिनुदासी नेतर वर लय
 दां डी देषो नही प्रेमर सवादी मिलन स मुं फ को नाई ॥
 २ ॥ ए समयो देषो दिवस चाखी समाधि चतुर मन
 माही ॥ सरदास मुसिक को राधा दे प्रीत मगल बांही
 ३ ॥ **मलार** ॥ सघीरी ये वड भागी मोरा ॥ पाके पि
 छ को मुकट वन तहे सर धरे नंद कि सोरा ॥ १ ॥ ये वड
 भागी सकल जवासी चित वत हरि मुख ओरा ॥
 निस दिन स्यां मसंग मिलि विहरत आनंद वदो
 इन दोरा ॥ २ ॥ ये वड भागि निव्रज की ललना गां न कर
 त कल घोरा ॥ कुंभन दास प्रभू गिरिधर विहरत जुवति
 न के चित चोरा ॥ ३ ॥ **मलार** ॥ गोवर्द्धन पर मुख बो
 ले माई ॥ तेसी ये स्यां मघन मुरली बजाई ते सेई उवेउ

॥ मला
॥ १८५ ॥

किधुरवा ॥ १ ॥ नेही नेही वंदन वर वन लाग्यो पवन च
लत जें सेंडुरवा ॥ सरदा सप्रभुति हारो मिलन को नि
स जागत भयो भुरवा ॥ २ ॥ **मलार** ॥ लाल माई वां
धें कसं भीषाग ॥ कसं भीषरी हाथ में लीनी भीने हे
नुराग ॥ ३ ॥ कसं भोई करि वां ध्यो पिछोरा ॥ भोई
उपरें ना ॥ कसं भीवात कहें राधा सो ॥ ४ ॥ नि के कसं
भोई होऊ नें ना ॥ ५ ॥ हरित भूमि वा दे ज मुंनात दगा
वतराग मलार ॥ श्री विहल गिरधर तेई चारुतरे वि
स्यो मजलधार ॥ ६ ॥ **राग मलार** ॥ व्रज परस्यां मधरा
जुरि आई ॥ तेसी येरां नि निको धति चहुं दिस लेत न
रंग मुहाई ॥ सद्य नृद्धां ह को किला कूं जत पवन च
लत सुषराई ॥ ७ ॥ जत अलिगन सधन कुं जघन सौ
रभकी अधिकारी ॥ ८ ॥ उजल सेत पांति वगुलन की
जलधर सीतल नाई ॥ नव गिरधर न नवल छविलो
कृष्णदा सवलि जाई ॥ ९ ॥ **समा मलार** ॥ नवरंग तनव
रंग यह ओसर नवरंग वनीरी भें मिहारियारी ॥ नव
ल मोर नव घोर मेघ की नवल पयैयाग गन विहारी
१ नवरंग इंदु वधू वन सो भित नव दुं मकुं जकुटी सु

१८८

अथ हिंदोरा के परा ॥ **राग धना श्री** ॥ हिंदोर ना होरो ॥
प्यो नंद अवास ॥ हिंदोर ना हो मनि मय भूं मिप्रकास
हिंदोर ना हो विस्वकर्मा सुतधार ॥ हिंदोर ना हो कंच
नखं भमु दार ॥ टेक ॥ कनकरं भमु लाल डोडी साल
भवराफ विरहो ॥ हीरा पिरो जाकनिक मनि मय जो
त अति जगमगरहो ॥ चित्रफाटक प्रकास नहुं दिस
कहा करुं निरमोलनां ॥ कहि कृष्णदा सविलासनि
सादिन नंद भवन हिंदोर ना ॥ १ ॥ हिंदोर ना हो जुव जन
हिलि मिलि जांइ ॥ हिंदोर ना हो उर अनंदन समाइ
हिंदोर ना हो निरघो नें नहि हारि ॥ हिंदोर ना हो सोरहें
सहस्र व्रजनारि ॥ टेक ॥ सारह सहस्र सवजुरि के आं
ई फिरि नउ लटि भवन गरी ॥ नवने नें न कुरंग राती
अच्युत तन मम भई ॥ पीतल नहे गालाल चुनरी स्या
मकंचु की बांह ॥ कहि कृष्णदा सविलासनि सादिन जु
व जन हिलि मिलि जांइ ॥ २ ॥ हिंदोर ना हो रूले सुंदर
नारि ॥ हिंदोर ना हो परम चतुर खन वारि ॥ हिंदोर ना हो
रमक निरुमक विसाल ॥ हिंदोर ना हो किंकिनी कुं
नितर साल ॥ टेक ॥ कुणित किंकिनी रुनुत नूपुरु

॥ हिंदो ॥
॥ १९० ॥

जटिततरवनसोहही ॥ उरउडेही चंचलमदननिराषिनि
राषिमोहनमोहही ॥ स्वमितफूलजुमिथलवेनीगुप
तप्रगटविहार ॥ कहिहृदयदासविलासनिमदिन
लेसुंदरनार ॥ २ ॥ हिंदोरनाहोहरिगुंनसकलनिधां
न ॥ हिंदोरनाहोश्रीराधाजपरमसुजांन ॥ हिंदोरना
होगावेसुघरनवाज ॥ हिंदोरनाहोमुरलीमधुरधुं
निवाज ॥ टेक ॥ लालमुरलीवेनवाजे लालगिरधर
गावही ॥ हरषिसुरपतिकुसुमखरषेनवनीसांनव
जावही ॥ हरषिकेंकरदेशतार ॥ अतिप्रकासितगांन
कहिहृदयदासविलासनिमदिनहरिगुंनसकल
निधांन ॥ ४ ॥ हिंदोरनाहोयहसुषवेकुंठनारि ॥ हिं
डोरनाहोस्यांमकलपतरुछाह ॥ हिंदोरनाहोसहे
जगोपनरभेष ॥ हिंदोरनाहोसवदिनेनभरिदेष
टेक ॥ नेलनिरषतवेनमीठेमेंनकोटिकवारहि ॥ भु
जभरोहि सुंदरिहरें हरिमनकहेतकछुवनआवही
स्यामसुंदरभक्तवखललालगिरवरधरजहां ॥ क
हिहृदयदासविलासनिमदिनयहसुषश्रीगोकु
लमांहा ॥ ५ ॥ रागजेतश्री ॥ हंपतिरूलतसुरंगहिंदो

१९०

रे गौरस्यामतनअतिछविराजतज्योघनहामिनि
जातभोरें ॥ १ ॥ विडुंमखंभजटितनगपदुलीकनक
डांडीवलितसुदोरे ॥ गोविंदप्रभुकोंदेषिललितारिक
हरषिहसतवननवालाकिसोरे ॥ २ ॥ रागजेतश्री
राधेजहोषियेवनसोभा ॥ अहांतहांप्रफुलितवनजु
ही ॥ मांनोफूलनअलकेंगुही ॥ पीतअरुनरंगफू
लेफूल ॥ मांनोसोहतअंगडकूल ॥ ३ ॥ रागपारितुअ
तिकुंजसुहाई ॥ जहांतहांकोकिलकलगाई ॥ ३ ॥ सद
परस्परबोलेंभोर ॥ देषनकुंमेरेनेनचकोर ॥ ४ ॥ पवन
गवनअतिचंचलपात ॥ हरषिअरुनअनुरागचुचा
ता ॥ ५ ॥ हालतलतालतमैजात ॥ मांनोमिलिकरत
तिहारीवात ॥ ६ ॥ फुलीडारेंमधुपउडावत ॥ लतामाननी
मधुपमनावत ॥ ७ ॥ उतकंगसोंतुंमहिबुलावत ॥ डो
लतपवननरवेदउपावत ॥ ८ ॥ श्रीवृंदावनभूमिहरीह
री ॥ इंचवधूडोलतरंगभरी ॥ ९ ॥ मांनोवएकामकेवी
ज ॥ तुंमरूलोसुषसांवनतीज ॥ १० ॥ श्रीराधाप्रतियो
कहेतगोपाल ॥ वसियेकुंजअनुवृजवाल ॥ ११ ॥ स
रदासप्रभूमदनमोहनस्यांम ॥ मिलिविलसोहोऊ

मुखभिराम ॥ २ ॥ **भाग मलार** सरसहिंदोरनामाई
रुलतगोकुलचंद्र **टेक** ॥ देखभकंचनकेमनोहररत
नजदितसुरंग ॥ जाकीचारिडोंडीसरलसुंदरनिर
पिलजितअनंग ॥ पटलीपिरोजालालकनकन
मिकावहुरंग ॥ मरुवेतिमानिकचुनीय ॥ विच
विचहीरातरंग ॥ नवकलपडुमतरुहसीतल
त्रिविधिमंदसमीर ॥ लतालटकें **मलार** कुसुमनिप
रसिजमुंनानीर ॥ हंसमोरचक्रारचात्रककोकिला
अलिकीर ॥ नवनेहनचक्रसोरराधेनवरंगगिर
धरधीर ॥ ललितायिसाषादेतजोदारीजिअंगन
मात ॥ लाडिली **मलार** मारिडरयतस्यामउरलपटात
गौरसांवल **मलार** गमितिदोऊभएएकहीभांति ॥ नी
लपीत **मलार** लराजतदामिनीडुरिडुरिजाति ॥ ३
नवकुंजकुंजकुलाइकुलवतिसहेचरीचहुंओर
मानोकमोदिनीकमलफुलेनिरपिजुगलकि
सोरा ॥ ब्रजवधूचनतोरिडारतदेतप्रानअकोरा **मलार**
सरासकोब्रजेवासदीजेंनागरनंदकिसोरा ॥ ४ ॥
भाग मलार ॥ आलीरीरुलतनंदकुंमारहरन

नेनीहंसगवनीसजेंसकलसिंगार **टेक** ॥ देखसुरंगखं
भकरैवकेविचमलयमरुवेसुदारा ॥ ताकीलालडों
डीउहडहीराचिपचीहेसुतधार ॥ कनकपटलीजटि
तहीरागटीमुघरसुनार ॥ चहुंओरतरुनौअरुन
वसननिकिंकिनीऊनकारा ॥ जहोरंगभए **मलार**
दोऊउरनरुलकेद्वारा ॥ चलतचकफहरा **मलार**
चललसतलेंवेवार ॥ मगमदअगर **मलार** मकुंम
वासकेंउरगारा ॥ पुषभराहिपान **मलार** मस्यामादो
ऊपरमउदारा ॥ २ ॥ गीतगावेसुखदेकरसरीतिकीचद
सार ॥ गानसुरषट्गं **मलार** धेतालतानअपार ॥ रीमि
रीजेजलदभाजेजे **मलार** रागमलार ॥ मोरकोहोकेको
किलनविचसुनपराहेपुकारा ॥ ३ ॥ मेघवरघरसभ
रेजलपुंहीवारंवार ॥ लाजतजिलपटातलालेतज्यो
वेदविचार ॥ धविफवीमदसूदनावलिहारीकोटिक
वार ॥ चिरजीयोपर्वतस्यामस्यामाजगतप्रानअ
धार ॥ ४ ॥ **भाग मलार** ॥ हिंदोरेमाईरुलनकेदिन
आए ॥ गरजतगगनहामिनीकोधतिरागमलार
रजमाए ॥ कंचनखंभसुदारवनाएविचविचहीरा

॥ हिंडो ०
॥ १९२ ॥

लगाए। डोंडी चारि सुदे स मुहांई चोकी वहे मजराए।
नाना विधिके कुसुम मनोहर नौतन भूषन छाए।
मधुर मधुर सुर सुर लीब जावत दादुर मोर जिवाए।
रमक निरुमक वनी पीय प्यारी किंकिनी शब्द
सोहाए। चतुर्भुज प्रभु गिरिधर नलाल संभान
नी मंगल गाए। ॥ राग मलार ॥ मूलतः गुगल किसे
रहिंडोरे। ललिता चंपक लता विसा। बादेत हरे प्रेम
कोरे। तेसी यरितु पावस सुषयक मंद मंद घन
घोरे। तेसी गान करति पुज सुंदरि निरधि निरधि
पीय चोरे। कोटिको दिहरयन मुष निरषत होत
सवन मन भोरे। कुंभ नदा सप्रभु गोवर्धन धर प्रीति
निवाहत चोरे। ॥ राग मलार ॥ मूलो तो हो सुरति
हिंडोरे मूलो। मरुवे मयारिक रोहित चित के तन
मन भवनां। सुद पटली बुद्ध डोंडी वेलन नेह
विछोना विछो। अति श्री सेर धरोटक कलसा।
पीत धुजा फेरे। गरजत को हो क किलकि।
मिलि बेकी नेह नीरव सवां। श्री विठल गिरिधर
नलाल को जो शिके ले करि पां। ॥ राग मलार ॥

१९२

आलीरी सांव नती ज मुहाग। निरधिवन घन हरत वे
ली होत हे अतुराग। टेक। तहां लाडिली घृष भांन तन
या सजे सकल सिंगार। सुभग नव पचरंग चूंनरी के
सरि आडलिलार। तेसी येषद सवर सकी सपी मिली
देइ कसार। चली हे चरहिंडोरे मूलनरा यके दरदुर।
कुरंग नेनी चंद वदनी चलत मंद गज चाल। दिशे सिमधु
रेवोलवोलत करत वहु विधिरव्याल। गोवत सांव न
गीत प्रमुदित अवन मुनतर साल। चंचल चपल प्रगंच
लन सो मोहिए नंद लाल। मूलतः नवल कि सोर होऊ
वनी अश्रुत जोर। देत मोह प्रेम सभरि सहे चरी चरुं
ओर। लाल गिरधर सभरे सकेलि सिंधु कोर। क
मललोचन विरसि चितवत दास जन की ओर। ॥ रा
ग मलार ॥ तेसी हंदावन तेसी ये हरित भूमि तेसी ये
वीरवधू चलत मुहाई माई। तेसेई को किला कल कुहूं
कुहूं कुंज त तेसेई नांचत मोर निरषत नेना सुषराई।
माई। तेसी नवरंग नवरंग वनी जोरी तेसी गावत रा
ग मलार तां न मन भाई। गोविंद सुरंग हिंडोरे मूलें फुले
आखेरंग भरे चरुं रिस ते घटाजुरि आई माई। ॥ पर ॥